RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School
imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty
well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning
● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

पेज 7 सनी संसारी की तुलसी कुमारी...

वर्ष : 27 अंक : 285 website:www.chetnamanch.com नोएडा, शुक्रवार, 03 अक्टूबर, 2025 Chetna Manch Chetna Manch मूल्य 2.00 रु. पेज: 8

'नमाज पढ़ें और घर जाएं'

जुमे की नमाज को लेकर बरेली व संभल में अलर्ट

बरेली में 48 घंटे के लिए इंटरनेट बंद

संवेदनशील इलाकों में पुलिस का फ्लैग मार्च

लखनऊ/बरेली/संभल (एजेंसी)। जुमे की नमाज को देखते हुए उत्तर प्रदेश के बरेली व संभल जिले में पुलिस अलर्ट पर है। बरेली में इंटरनेट सेवा शनिवार तक बंद कर दी गई है। पुलिस-प्रशासन की ओर से आज हाई अलर्ट भी जारी किया गया है। शहर में पुलिस-पीएसी और आरआरएफ के 8500 जवान तैनात किए गए हैं। इनमें करीब छह हजार की तैनाती शहर में है। ड्रोन से छतों को खंगाला जा रहा है। शहर को चार सुपर जोन और चार स्पेशल जोन में बांटा गया है।

आपको बतादें कि शहर में बीते शुक्रवार को हुए बवाल के बाद से शांति कायम है। हालांकि पुलिस प्रशासन की कार्रवाई को लेकर आईएमसी कार्यकर्ता और जेल भेजे गए आरोपियों के पक्ष के लोग माहौल भड़काने की कोशिश में लगे हैं। वहीं संभल, अमरोह, अलीगढ़ में भी पुलिस जुमे की नमाज को लेकर अलर्ट पर है।

बरेली में बवाल के दो दिन बाद इंटरनेट सेवा बहाल होने के साथ ही बड़े पैमाने पर आई विरोध प्रतिक्रिया से खुफिया अमले ने दोबारा से माहौल खराब होने की आशंका जताई है। बृहस्पतिवार को दशहरा के अवकाश के बावजूद आंतरिक तैयारियां जारी रहीं।

बरेली के एसएसपी अनुराग आर्य ने बताया कि संवेदनशील क्षेत्रों व मिश्रित आबादी वाले इलाकों में सुरक्षा बढ़ाई गई है। अफवाह फैलाने की आशंका थी, इसलिए शासन स्तर से एहतियातन इंटरनेट सेवा बंद की गई है। अभी तक जो भ्रामक पोस्ट सोशल मीडिया सेल को मिलीं हैं, इन पर विधिक कार्रवाई की जा रही है। एहतियातन बरेली जोन के आठ अन्य जिलों से आई पुलिस फोर्स और पीएसी को यहां रोका गया है। पिछले जुमे को बरेली में हुए बवाल के ड्रोन से बनाए गए वीडियो सामने आने के बाद पुलिस अलर्ट है। शुक्रवार को ड्रोन से निगरानी करने वाली टीमों की संख्या आठ कर दी गई है। यह टीमें सुबह से ही संवेदनशील इलाकों के मकानों की छतों की तलाशी ड्रोन से लेंगी। शहर को चार सुपर जोन में बांटकर 225 मजिस्ट्रेट की ड्यूटी लगाई गई है। प्रशासन ने हेल्पलाइन नंबर भी जारी किया है। बरेली पुलिस ने अभी तक 82 लोगों को गिरफ्तार किया है।

एडीएम सिटी सौरभ दुबे ने कहा है कि 5 या उससे ज्यादा लोग कहीं भी अनावश्यक जुटेंगे तो वह कानूनी कार्रवाई के दायरे में आएंगे। शांति व्यवस्था को लेकर या कोई अन्य शिकायत या समस्या हो तो 0581-2422202 या 0581-2428188 पर फोन कर सूचना दें।

कफ सिरप पीने से 11 बच्चों की मौत!

मध्य प्रदेश और राजस्थान में मचा हाहाकार

भोपाल/जयपुर (एजेंसी) मध्य प्रदेश और राजस्थान में हाल ही में हुई बच्चों की मौतों का मामला तूल पकड़ रहा है। बच्चों की मौतों को एक कफ सिरप से जोड़ा गया है। मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में मरने वालों की संख्या बढ़कर 9 हो गई, जबकि राजस्थान में 2 बच्चों की मौत दर्ज की गई। कुल 11 मौतों के बाद सरकार की नोडल एजेंसी राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (NCDC) ने जांच तेज कर दी है।

छिंदवाड़ा के परासिया क्षेत्र में वायरल फीवर से ग्रस्त बच्चों की हालत बिगड़ने का सिलसिला जारी है। जिले में 3 और बच्चों की मौत हो गई, जिससे मृतकों की संख्या 9 पहुंच गई. इससे पहले 6 मौतें हो चुकी थीं।

परासिया SDM शुभम यादव ने बताया, 'देर रात तक की स्थिति में 9 मौतें दर्ज हुई हैं. हमने प्रारंभिक जांच शुरू कर दी है। हमारे पास 1420 बच्चों की लिस्ट है, जो सर्दी, बुखार और जुकाम से प्रभावित रहे। हमने प्रोटोकॉल बनाया है कि यदि कोई बच्चा दो दिन से अधिक बीमार रहता है, तो उसे सिविल अस्पताल में 6 घंटे निगरानी में रखा जाता है। तबीयत बिगड़ने पर जिला अस्पताल रेफर किया जाता है. ठीक होने पर घर भेजा जाता है और आशा कार्यकर्ताओं से उनकी मॉनिटरिंग करवाई जाती है।

SDM ने कहा कि पानी और मच्छर संबंधी जांच सामान्य आई है। एक सैंपल नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी भेजा गया था, जो नॉर्मल आया. पानी के सैंपल सीएसआईआर-एनईईआरआई को जांच के (शेष पृष्ठ-5 पर)

नागरिकों के जीवन को खुशहाल बनाने का संकल्प : मुख्यमंत्री

जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने लोगों की शिकायतों को सुना

गोरखपुर (एजेंसी) उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन का आयोजन किया। इस दौरान बड़ी संख्या में महिलाएं भी मुख्यमंत्री के सामने शिकायतें लेकर पहुंची। मुख्यमंत्री ने लोगों से मुलाकात की, उनकी समस्याएं सुनीं और निस्तारण के लिए अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए। जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि नागरिकों के जीवन में खुशहाली लाना सरकार का संकल्प है इसलिए जन समस्याओं के निस्तारण को प्राथमिकता दें। मुख्यमंत्री ने इस दौरान जनता दरबार में मौजूद बच्चों से बातचीत की और उनसे पढ़ाई के बारे में पूछा। साथ ही सभी बच्चों को चॉकलेट भी दी।

शुक्रवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री ने करीब 200 लोगों से मुलाकात की। मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक वह खुद पहुंचे और एक-एक करके सबकी समस्याएं सुनीं। सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को (शेष पृष्ठ-5 पर)

नोएडा प्राधिकरण की 219वीं बोर्ड बैठक

चेयरमैन दीपक कुमार व तीनों प्राधिकरणों के सीईओ मौजूद

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-6 स्थित नोएडा प्राधिकरण के बोर्ड रूम में आज 219वीं बोर्ड बैठक चल रही है। बैठक की अध्यक्षता नोएडा प्राधिकरण के चेयरमैन तथा प्रदेश के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार ने की। बोर्ड बैठक में करीब 3 दर्जन एजेंडा पेश हुए थे। खबर लिखे जाने तक क्रमवार एजेंडों पर मंथन चल रहा था।

इस बोर्ड बैठक में नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डॉ. लोकेश एम, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि, यमुना एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के सीईओ राकेश कुमार सिंह, (शेष पृष्ठ-5 पर)

पेट्रोल कम डालने पर टोका तो एडवोकेट से की मारपीट

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। पेट्रोल पंप पर तेल कम डालने की शिकायत करना एक एडवोकेट को खासा महंगा पड़ा। शिकायत करने पर पेट्रोल पंप के मैनेजर व अन्य कर्मचारियों ने एडवोकेट के साथ गाली-गलौज व मारपीट की। पीड़ित ने थाना ईकोटेक-3 में मुकदमा दर्ज कराया है। यह मामला न्यायालय के निर्देश पर दर्ज किया गया है।

ग्राम दुजाना निवासी एडवोकेट कृष्ण नागर ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह अपने भाई के साथ 24 जुलाई को खैरपुर स्थित पेट्रोल पंप पर अपनी कर में तेल डलवाने के लिए गया था। पंप पर मौजूद कर्मचारियों ने उनके कार्य में कम तेल डाला इस बात की। शिकायत करने पर कर्मचारियों ने उनके साथ बदतमीजी की। इस पर वह पेट्रोल पंप के सुपरवाइजर के पास पहुंचे और शिकायत की लेकिन उसने भी उनके शिकायत पर कोई ध्यान नहीं दिया। इस दौरान पेट्रोल पंप का मैनेजर हरिकांत, सुपरवाइजर पियूष, दीप सिंह, सिक्योरिटी गार्ड इंचार्ज सत्यवीर व अन्य लोग मौके पर आ गए और उनके साथ अभद्र व्यवहार करने लगे। उन्होंने जब इस बात का विरोध किया तो सभी लोगों ने उनके साथ मारपीट की। मारपीट के दौरान उनके गले में पहनी सोने की चेन भी टूट कर गिर गई। पुलिस का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच की जा रही है।

कोचिंग पर गया छात्र लापता

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। घर से कोचिंग के लिए गया 11वीं कक्षा का छात्र संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गया। छात्र के पिता ने थाना दादरी में मुकदमा दर्ज कराया है।

सेक्टर म्यू-1 में रहने वाले मनोज बिधूड़ी ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उनका 15 वर्षीय बेटा 11वीं कक्षा का छात्र है। वह ग्रेटर नोएडा के एक स्कूल में पढ़ता है। 30 सितंबर को वह घर से ओमिक्रोन थर्ड सेक्टर में स्थित कोटा अकादमी में कोचिंग के लिए गया था। इसके बाद वह वापस नहीं लौटा। उन्होंने अपने बेटे की काफी तलाश की लेकिन कोई पता नहीं चला। पुलिस का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और छात्र की तलाश की जा रही है।

एक माह बाद पुलिस ने खोदी कब्र

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। एक महीने पहले ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे पर संदिग्ध हालत में मृत मिले युवक की मौत की सच्चाई जानने के लिए परिजनों की मांग पर थाना दनकौर पुलिस ने शव को कब्र से बाहर निकलवा कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। परिजनों ने हत्या की आशंका जताते हुए शव को कब्र से निकलवा कर पोस्टमार्टम कराए जाने की मांग की थी। एसडीएम की मौजूदगी में आज कब्र से शव को निकाला गया।

बता दें कि बीते 3 सितंबर को ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेसवे पर ग्राम अट्टा फतेहपुर निवासी शहजाद पुत्र शमशेर सिंह का शव लहू लुहान हालात में पड़ा मिला था। उस समय मामले को एक्सीडेंट का बताया गया था। परिजनों ने एक्सीडेंट में शहजाद की मौत होने की बात मानकर बिना पोस्टमार्टम कराए शव को सुपुर्द ए खाक कर दिया था। कुछ दिन पूर्व परिजनों को आशंका हुई कि शहजाद की सड़क दुर्घटना में मौत नहीं हुई है बल्कि उसकी हत्या की गई है। परिजनों ने शहजाद के कुछ जानकार लोगों (शेष पृष्ठ-5 पर)

चोरी के सरिया के साथ बदमाश दबोचे

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना कासना पुलिस ने दो चोरों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से चोरी का सरिया व चाकू बरामद हुआ है। थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस टीम एमएसएमई कंपनी के सामने गश्त पर थी। पुलिस को देखकर बाइक पर आ रहे दो युवक बाइक मोड़कर भागने लगे। संदेह के आधार पर पुलिस टीम ने इनका पीछा किया। बाइक सवार खानपुर सर्विस रोड पर बंद पड़ी आम्रपाली कंपनी में घुस गए। इसके बाद पुलिस टीम ने घेराबंदी कर दोनों को दबोच लिया। तलाशी में इनके पास से एक चाकू व प्लास्टिक के कट्टे में भरे सरिया के टुकड़े बरामद हुए। पूछताछ में पकड़े गए वर्तमान समय अपना नाम जयप्रकाश पुत्र वीरेंद्र व रोहित पुत्र रामबरन निवासी एटा बताया। दोनों आरोपी हाल में गुर्जरपुर गांव में किराए पर रह रहे हैं। दोनों आरोपियों ने स्वीकार किया कि उनके पास से बरामद सरिया उन्होंने अलग-अलग स्थान से चोरी किया था इस सरिया को वह बेचने के लिए लेकर जा रहे थे।

कार से कुचलकर 6 साल के बच्चे की मौत

गाजियाबाद (ब्यूरो)। गाजियाबाद के इंदिरापुरम इलाके में एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। यहां छह साल का बच्चा तेज रफ्तार कार के नीचे आ गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस का कहना है कि यह घटना शांति खंड 4 इलाके में हुई। घटना की जांच की जा रही है। बच्चे की मौत के बाद उसके परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस ने बताया कि कार चालक नितिन नोएडा की एक आईटी कंपनी में करता है। उसे गिरफ्तार कर वाहन जब्त कर लिया गया है। हादसा उस समय हुआ, जब नितिन अपने परिवार के साथ कार से जा रहा था। उसी दौरान कार की टक्कर से छह साल के युवराज की मौत हो गई। इस हादसे के बाद पीड़ित परिजन और स्थानीय लोग पुलिस स्टेशन पहुंच गए और हंगामा शुरू कर दिया। सूचना के बाद (शेष पृष्ठ-5 पर)

सोशल मीडिया प्लेटफार्म से जमा किया डाटा, फिर की ठगी

नोएडा (चेतना मंच)। जरूरतमंद लोगों को लोन दिलाने के नाम पर ठगने वाले दो शातिर ठगों को थाना सेक्टर-113 पुलिस ने गिरफ्तार किया है। दोनों ठग सैकड़ो लोगों को अपना शिकार बना चुके हैं। इनके कब्जे से 50 हजार रुपए नकद, 20 मोबाइल फोन, 128 एटीएम कार्ड, 77 सिमकार्ड, 9 पासबुक, 5 चैकबुक, 3 किट, 7 क्यूआर कोड व 1 मोटरसाइकिल बरामद हुई है।

थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस ने लोकल इंटेलिजेंस व गोपनीय सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए लोन दिलाने के नाम पर ठगी करने वाले फैयाज आलम पुत्र शाबिर हुसैन, आकाश कुमार पुत्र जितेन्द्र कुमार उपाध्याय को एफएनजी रोड से गिरफ्तार किया गया है। इनके पास से 50,000 नकद, 20 मोबाइल फोन, 128 एटीएम कार्ड, 77 सिमकार्ड, 9 पासबुक, 5 चैकबुक, 7 क्यूआर कोड, 3 किट (3 पासबुक, 4 एटीएम कार्ड, 4 क्यूआर कोड) व 1 मोटरसाइकिल बरामद की गई है। पूछताछ में पकड़े गए आरोपियों ने बताया कि वह विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफार्म से देश के विभिन्न राज्यों के लोगों का डाटा (आधार कार्ड, पैन कार्ड, ई-मेल, मोबाइल नंबर, राज्य आदि) जुटाकर ठगी करते थे। जालसाज स्वयं को बैंगलोर में स्थित प्रा.लि. कम्पनी का कर्मचारी होने का बहाना बनाकर लोगों को लोन के लिए कॉल करते थे। इसके बाद में लोन लेने के इच्छुक लोगों के दस्तावेज जैसे आधार, (शेष पृष्ठ-5 पर)

महात्मा गांधी की प्रतिमा के जीर्णोद्धार के लिए सत्याग्रह करेगी 'जय हो' संस्था

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। 'जय हो' संस्था ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं शांति पुरूष के नाम से विख्यात देश के दूसरे प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती मनाई। इस अवसर पर संस्था के सदस्यों ने दादरी क्षेत्र के ग्राम जारचा पहुंचकर जिले की सबसे पुरानी गांधी प्रतिमा पर साफ सफाई करने के बाद माल्यार्पण करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर संस्था के सदस्यों ने तमाम बार मांग करने के बावजूद भी प्रशासन के द्वारा जिले की सबसे पुरानी राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा का जीणोद्धार नहीं कराए जाने पर अफसोस व्यक्त किया। जिसपर

संस्था के पदाधिकारियों ने ऐलान किया कि गांधी जी की प्रतिमा के जीर्णोद्धार समेत विभिन्न जन समस्याओं को लेकर आगामी 31 अक्टूबर को दादरी तहसील परिसर में संस्था के द्वारा सत्याग्रह आंदोलन प्रारंभ किया जाएगा। जिसका समापन प्रशासन द्वारा कोई ठोस कार्यवाही के उपरांत ही किया जाएगा।

जय हो एक सामिजक संस्था के अध्यक्ष दिनेश भाटी ने बताया कि दादरी के जारचा गांव का अपना एक स्वर्णिम इतिहास है। जहां जिले की सबसे पुरानी राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा स्थापित है। महात्मा गांधी जी की इस प्रतिमा एवं उनके स्मारक का उदघाटन जनवरी 1961 में तत्कालीन जनपद बुलंदशहर के जिलाधिकारी महोदय श्रीशचंद्र गोयल के द्वारा किया गया था। लेकिन आज यह प्रतिमा पूरी तरह बदहाल स्थिती में है। (शेष पृष्ठ-5 पर)

तमंचे के साथ पकड़ा

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-113 पुलिस ने अवैध तमंचा के साथ एक बदमाश को गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया बदमाश आपराधिक वारदात को अंजाम देने की फिराक में था। थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस टीम गश्त पर थी। सर्फाबाद गांव की तरफ से आ रहा एक व्यक्ति पुलिस को देखकर मुड़कर भागने लगा। संदेह के आधार पर पुलिस टीम ने पीछा कर उसे दबोच लिया। तलाशी में उसके पास से तमंचा व कारतूस बरामद हुआ। पूछताछ में पकड़े गए बदमाश ने अपना नाम बलराम पुत्र तेजराम निवासी ग्राम जलेसर जनपद एटा बताया। आरोपी ने बताया कि वह हाल में सर्फाबाद गांव में किराए पर रह रहा है। बलराम ने बताया कि वह लोगों को डराने के लिए अपने पास तमंचा रखता था। आरोपी के खिलाफ शस्त्र अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है।

सत्य की जीत

रावण, कुंभकर्ण, मेघनाद के पुतले जला कर 'विजयादशमी' का त्योहार मनाया गया। आम आदमी प्रसन्न है। नई पोशाकें पहनी गईं, पटाखे छोड़े गए, मिठाइयां खाई गईं। यह खुशी किस बात की है। क्या वाकई असत्य पर सत्य, बुराई पर अच्छाई, रावणत्व पर रामत्व की जीत हुई? यह हमारा मुगालता है। कुंभकर्ण और मेघनाद के भीतर भी 'रावण' की चेतना थी। रावण का अहंकार था। रावण का वर्चस्ववाद था। एक खलनायकत्व भी था, हालांकि लंकापति रावण त्रिकालदर्शी था, प्रकांड पंडित था। यह प्रभु राम ने भी उस पर विजय हासिल करने के बाद स्वीकारा था। हम रावण के पुतले आज भी जलाकर छद्म संतुष्टि और विजय के भ्रम में हैं। दरअसल हम रावण को भूल नहीं सकते। भूलना भी नहीं चाहते, लिहाजा आज कई रावण जिंदा हैं। उनके रूप, रंग, योनि, नस्ल और कर्म अलग-अलग हैं। सरसंघचालक मोहन भागवत ने आतंकवाद और नक्सलवाद का जिक्र अपने 'दशहरा संबोधन' में किया। प्रधानमंत्री मोदी ने भी कुछ शक्तियों, साजिशों का उल्लेख किया, जो संघ को कुचलने, नष्ट करने में संलग्न रहीं। ये 'रावण' नहीं, तो और क्या हैं? भागवत ने पहलगाम नरसंहार के संदर्भ में 'ऑपरेशन सिंदूर' का उल्लेख किया। आतंकियों ने धर्म पूछ कर 26 मासूम, बेगुनाह जिंदगियों पर विराम लगा दिया था। उनकी हत्या कर दी थी। यह 'रावणत्व', राक्षसी व्यवहार नहीं, तो और क्या था? नतीजतन राम रूपी भारतीय सेना को पाकिस्तान के 11 एयरबेस, रनवे, रडार सिस्टम आदि की 'लंका' को विनष्ट करना पड़ा। आज विश्व में कई युद्ध जारी हैं और परमाणु युद्ध के आसार पुख्ता होते जा रहे हैं। धमकियां दी जा रही हैं। विमान, बॉम्बर आसमान में उड़ते दिखाई दे रहे हैं और समंदर में भी उथल-पुथल जारी है। इनके मायने क्या हैं? गाजा पट्टी के इलाके में इजरायल की सेना ने 65,000 से अधिक मासूमों, आम औरतों और बच्चों को मार दिया, लाखों को विस्थापित होना पड़ा, भुखमरी के आर्त्तनाद सुने जा सकते हैं और चारों ओर खंडहर, मलबे के ढेर दिखते हैं। यह विनाश किसने कराया और क्यों कराया? वह 21वीं सदी का 'राक्षस रावण' है, जो सिर्फ अपहरण के जरिए बहन के अपमान का प्रतिशोध नहीं लेता, बल्कि कई दुनियाओं का अस्तित्व ही मिट्टी में मिला देता है। रूसी राष्ट्रपति पुतिन आज भी, साढ़े तीन साल बाद भी, यूक्रेन पर विनाशकारी हमले करवा रहे हैं। उनके आदेश पर, उनकी सेना, एक स्वतंत्र और संप्रभु राष्ट्र को अस्तित्वहीन करने पर क्यों आमादा है? वहां भी आम लोगों की हत्याएं की जा रही हैं। लोग विस्थापित होकर पड़ोस के देशों में शरण ले रहे हैं। हमले में संयुक्त राष्ट्र के महासचिव गुटेरस भी बाल-बाल बचे हैं। रोटी मयस्सर नहीं है, लेकिन विध्वंसकारी हथियारों की सप्लाई निरंतर जारी है। यह रूस का कुल विस्तारवाद और वर्चस्व की मानसिकता का 'रावण' है। यह 'रावण' असली रावण से कहीं ज्यादा क्रूर और अमानवीय है। प्रभु राम के उपस्थित होने के बावजूद असली रावण ने उनकी सेना का व्यापक नुकसान किया था। राम के अनुज लक्ष्मण, नियति के हनुमान की बदौलत, बाल-बाल बच पाए थे। मौजूदा कालखंड में अमरीका, यूरोप बनाम रूस, चीन के समीकरणों के तहत परमाणु युद्ध की धमकियां क्यों दी जा रही हैं? बहरहाल इनके अलावा, कई कुप्रवृत्तियां और धंधे भी 'रावण' के अवतार के समान हैं। रावण के तो पुतले जला कर नकली खुशियां मनाई जा सकती हैं, लेकिन सडकों पर पाशविक युवा सरेआम जो हत्याएं कर रहे हैं, 3-4 साल की बच्चियों के साथ दुष्कर्म किए जाते हैं, पत्नियां पति को टुकड़े-टुकड़े कर मार रही हैं, तो प्रेमी भी लव इन प्रेमिका के टुकड़े-टुकड़े कर कहीं जंगल में फेंक आते हैं। जेल में कैद रखने से क्या होगा? जिंदगी तो खत्म कर दी गई। भ्रष्टाचार ऐसी मनोवृत्ति है, जिससे अर्थव्यवस्था भी बर्बाद हो सकती है। किसी का भविष्य और करियर भी तबाह हो सकता है। न्याय की हत्या होती रहती है। हम ईमानदारी से क्यों नहीं जी सकते? यदि दशहरा बुराई और असत्य पर जीत का पर्व है, तो ऐसी मनोवृत्तियां हमारे व्यवहार, समाज, देश में क्यों हैं? साफ मायने हैं कि 'रावण' अभी नहीं मरा। वह हर भाव, कर्मकांड में आज भी जिंदा है। उसका शोक मनाएं और खुद को बदलने की कोशिश करें। सचमुच यह विजय की दशमी का जश्न मनाने का वक्त अभी नहीं है। समूह समाज को चिंतन करना है कि क्या रावण को जलाने से सचमुच ही सारी बुराइयां खत्म हो जाएंगी। अगर ऐसा संभव हो पाता तो आज तक हम कई बार रावण जला चुके हैं, अब तक सभी बुराइयां खत्म हो जानी चाहिए थीं। कुछ ठोस करने की जरूरत है।

रामचरित मानस

पिछले अंक में आपने पढ़ा था कि वही दीनों पर दया करने वाले श्री रामजी भक्ति के कारण धनुष यज्ञ शाला को चकित होकर (आश्चर्य के साथ) देख रहे हैं। इस प्रकार सब कौतुक (विचित्र रचना) देखकर वे गुरु के पास चले। देर हुई जानकर उनके मन में डर है॥

उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

जासु त्रास डर कहुँ डर होई। भजन प्रभाउ देखावत सोई॥
कहि बातें मृदु मधुर सुहाई। किए बिदा बालक बरिआई॥
जिनके भय से डर को भी डर लगता है, वही प्रभु भजन का प्रभाव (जिसके कारण ऐसे महान प्रभु भी भय का नाट्य करते हैं) दिखला रहे हैं। उन्होंने कोमल, मधुर और सुंदर बातें कहकर बालकों को जबर्दस्ती विदा किया॥

दो0- सभय सप्रेम बिनीत अति सकुच सहित दोउ भाइ।
गुर पद पंकज नाइ सिर बैठे आयसु पाइ॥
फिर भय, प्रेम, विनय और बड़े संकोच के साथ दोनों भाई गुरु के चरण कमलों में सिर नवाकर आज्ञा पाकर बैठे॥

निसि प्रबेस मुनि आयसु दीन्हा। सबहीं संध्याबंदनु कीन्हा॥
कहत कथा इतिहास पुरानी। रुचिर रजनि जुग जाम सिरानी॥
रात्रि का प्रवेश होते ही (संध्या के समय) मुनि ने आज्ञा दी, तब सबने संध्यावंदन किया। फिर प्राचीन कथाएँ तथा इतिहास कहते-कहते सुंदर रात्रि दो पहर बीत गई॥ (क्रमशः..)

राष्ट्र चेतना का अवतार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ

सर्वेश कुमार सिंह

यदा यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत।
अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम।।
परित्राणाय साधूनां विनाशाय च दुष्कृताम।
धर्मसंस्थापनार्थाय सम्भवामि युगे युगे।।

भगवान श्रीकृष्ण के अर्जुन से कहे गए ये वचन शास्वत, सनातन और चिरंतन भारतीय संस्कृति की जीवनी शक्ति हैं। इस जगत में जब-जब धर्म का नाश और अधर्म की वृद्धि होती है या संस्कृति पर आक्रमण होते हैं तो ईश्वरीय शक्ति स्वयं अवतरित होती है। यह शक्ति त्रेता में भगवान श्रीराम के रूप में तो द्वापर में भगवान श्रीकृष्ण के रूप में इस धरा पर अवतरित हुई। वही ईश्वरीय शक्ति, राष्ट्र चेतना के रूप में कलियुग में 'राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ' के रूप में सौ साल पहले विजयादशमी के दिन अवतरित हुई है। इस दैवीय शक्ति से प्रेरित और सम्पन्न समाज सेवा के लिए अवतरित यह अद्भुत संगठन आज अपनी स्थापना के 100 साल पूरे कर रहा है। किसी को आश्चर्य नहीं होना चाहिए कि आखिर कोई संगठन बगैर विघटति हुए, बगैर किसी विवाद के, बगैर किसी सरकारी सहायता के भी सौ साल पूरे कर सकता है।

भारत में समाज सेवा, धर्म स्थापना और मानव सेवा के लिए अनेक संगठनों ने समय-समय पर जन्म लिया है। उन्होंने अच्छे कार्य किये हैं। वे अपने-अपने उद्देश्यों के प्रति समर्पित रहे हैं, किन्तु वे एक सीमित कालखण्ड तक ही अपने आप को सशक्त और सबल बनाकर रख सके हैं। संघ की स्थापना के पूर्व अनेक सगठनों की स्थापना हुई। लेकिन वे समय की चुनौतियों का सामना करने में पूरी तरह सफल नहीं हो सके। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ एक मात्र ऐसा संगठन है जो सौ साल बाद भी उसी ऊर्जा, उसी लगन और उसी प्रेरणा को लेकन नित नवीन स्वरूप बनाये हुए खड़ा है, और राष्ट्र आराधना के अपने उद्देश्य में सफल भी हुआ है।

विचारणीय है कि संघ ने जब सौ साल पूरे किये हैं तो क्या कारण है कि यह अन्य संगठनों की तरह थका नहीं, रूका नहीं, ठहरा नहीं। अनथक आगे बढ़ रहा है। बल्कि ऐसा विस्तार किया कि आज दुनिया का सबसे बड़ा स्वयंसेवी संगठन बना हुआ है। संघ के विस्तार और उसकी सांगठनिक रचना को देखें तो आज लगभग 78 हजार स्थानों पर एक लाख 25 हजार इसकी दैनिक और साप्ताहिक शाखाएं लग रही हैं। संघ सेवा के कामों में दुनिया में सबसे आगे है। देश के शहरी और ग्रामीण स्थानों पर लगभग एक लाख 29 हजार सेवा कार्य संचालित कर रहा है। सुदूर वनवासी क्षेत्रों, पर्वतीय क्षेत्रों से लेकर सम्पूर्ण भारत में शिक्षा और संस्कार के कई लाख केद्र संचालित हैं। संघ ने समाज जीवन का कोई ऐसा क्षेत्र नहीं छोड़ा है जहां अपने उद्देश्य के लिए कोई कार्य खड़ा न किया हो। इसी लिए संघ प्रेरित लगभग 40 विभिन्न संगठन सक्रिय हैं। दुनिया के समाजशास्त्री अध्ययन कर रहे हैं कि आखिर कोई संगठन दुनिया

का सबसे बड़ा और निर्विवाद संगठन कैसे बनता है। इस प्रश्न का उत्तर जानने के लिए संघ को पढ़ने और संघ के बारे में सुनने से ज्यादा उसमें उतरने की जरूरत है। संघ को समझना है तो संघ के निकट जाना ही पड़ेगा, तब संघ समझ में आएगा। संघ की अद्भुत पद्यति शाखा को समझना और उसमें जाकर देखना होगा।

बाधाओं और चुनौतियों का किया सामना

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना को सौ वर्ष पूर्ण हो गए। विजयादशमी के अवसर पर वर्ष 1925 में नागपुर में डा.केशवराव बलिराम हेडगेवार ने संघ की स्थापना की थी। स्थापना के समय ही संघ ने अपना उद्देश्य और ध्येय स्पष्ट कर दिया था। संघ का ध्येय उसकी प्रार्थना की प्रथम पक्ति 'नमस्ते सदा वत्सले मातृभूमे, त्वया हिन्दूभूमे सुखमं वर्धितोअहम' तथा प्रार्थना के अन्त 'भारत माता की जय' से सुस्पष्ट है। संघ किसी के विरोध में कार्य नहीं करता और न ही किसी के विरोध के लिए इसकी स्थापना हुई है। जब संघ का स्वयंसेवक नियमित रूप से 'नमस्ते सदा वत्सले मातृभूमेळ कहता है तो स्पष्ट ही है कि वह इस भारत मां की पूजा करता है, उन्हें नमन करता है, उनके लिए समर्पण का भाव प्रकट करता है और अंत में जब 'भारत माता की जय' कहता है तो स्पष्ट है कि भारत को सदेव विजयी और यशस्वी देखना की कामना है। ऐसे निस्वार्थ और निष्काम उद्देश्य को धारण किये हुए संघ को भी अपनी सौ साल की यात्रा पूरी करने में अनेक कठिनाइयों, चुनौतियों, झूठे विमर्शों, मनगठंत आरोपों का सामना करना पड़ा है।

संघ के बारे में विरोधियों ने जो झूठे विमर्श गढ़े उनमें सबसे प्रमुख रहा कि यह सामप्रदायिक संगठन है, मुस्लिम विरोधी संगठन है। इस विमर्श को गढने में विशेष रूप से कांग्रेस और वामपंथी विचारधारा के राजनीतिक दलों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। लेकिन ये सभी आरोप समय के साथ झूठे साबित होते चले गए। देश में एक भी घटना ऐसी नहीं घटी जिसमें संघ पर कोई आरोप प्रमाणित हुआ हो। देश में आजादी के बाद भीषण साम्प्रदायिक दंगे भी हुए लेकिन किसी में संघ को आरोपित नहीं किया जा सका। किसी भी न्यायालय ने संघ के खिलाफ कोई आदेश पारित नहीं किया। आजादी के तत्काल बाद राष्ट्रपिता की हत्या से जब सारा देश स्तब्ध था। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने उनकी हत्या की घोर निंदा की। संघ ने 13 दिन का शोक मनाने के लिए शाखाओं को रोक दिया। इसके बावजूद संघ को गांधी जी की हत्या के लिए दोषी ठहराने का एक अभियान चलाया गया। संघ पर तत्कालीन केन्द्र सरकार ने प्रतिबंध भी लगा दिया, लेकिन न्यायालय से संघ निर्दोष साबित हुआ। आपातकाल में संघ पर दूसरा प्रतिबंध लगा। अयोध्या में विवादिद ढांचा ध्वसं के बाद भी संघ पर संक्षित प्रतिबंध लगाया गया। लेकिन संघ ने अपने संगठन कौशल और समाज के स्नेह और सामूहिक समाज शक्ति के बल पर इनका सामना किया।

संघ शक्ति का केन्द्र शाखा

राष्ट्रीय स्वयंसेवक सघ की शक्ति का केन्द्र बिन्दु उसकी शाखा है। शाखा देखने में कुछ बालकों, युवाओं या प्रौढों का एक छोटा सा समूह किसी मैदान में खेलता, योग व्यायाम करता या विचार विमर्श करता दिख जाएगा। भगवा ध्वज के सम्मुख प्रार्थना करते स्वयंसेवकों को देखकर उनके समर्पण को समझा जा सकता है। यही वह केन्द्र है जो किसी सामान्य से बालक या युवा को समर्पित, निष्ठावान, चरित्रवान, उद्देश्य के लिए उत्कट राष्ट्र भावना लिए स्वयंसेवक का निर्माण कर देता है। शाखा सामान्य खेलकूद का मैदान नहीं राष्ट्र के लिए व्यक्ति निर्माण की कार्यशाला है। यहां न तो किसी की जाति पूछी जाती है न किसी के साथ ऊंच नीच का कोई भाव होता है। बस अगर कुछ होता है तो सिर्फ हिन्दू समाज के संगठन की प्रबल भावना। यही मंत्र समूचे देश में आज सवा लाख से अधिक शाखाएं खड़ी करके संघ को दुनिया का सबसे बड़ा संगठन बना सका है।

उन्नत, सशक्त भारत के लिए संघ दृष्टि

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने इस वर्ष विजयादशी से लेकर अगले वर्ष 2026 की विजयादशी तक संघ शताब्दी वर्ष मनाने का निर्णय लिया है। इस शताब्दी वर्ष में जो कार्यक्रम सघ ने निर्धारित किये हैं, वे संघ की व्यापक और समाजहित की समग्र दृष्टि को प्रतिबिम्बित करते हैं। संघ ने जो कार्यक्रम निर्धारित किये हैं। वे भारत की सम-सामयिक चुनौतियों का भी सामना करने के लिये समाज को खड़ा करेंगे। ये कार्यक्रम पंच परिवर्तन के नाम से जाने जा रहे हैं। समाज में संघ पांच विशेष कार्य अभियान आरंभ करने जा रहा है। इसमें सबसे प्रमुख है, सामाजिक समरसता। संघ ने समाज में भेदभाव ऊंच-नीच जाति-पांति को समाप्त करने के लिए सामाजिक समरसता को सबसे ऊपर रखा है। आज अगर कोई सबसे बड़ी चुनौती भारत के सामने है तो वह है सामाजिक भेदभाव, जातिवाद, अलगाववाद। इनको समूल समाप्त करने के लिए संघ सामाजिक समरता का जागरण और प्रबोधन करेगा। इसके बाद दूसरा प्रमुख कार्य है पर्यावरण संरक्षण, आज भारत ही नहीं, बल्कि सम्पूर्ण विश्व पर्यावरण सम्बन्धी चुनौतियों का सामना कर रहा है। ये चुनौतियां समय के साथ और अधिक भयावह होने वाली हैं। इसलिए संघ ने इसे प्रमुख गतिविधि मान कर इसके लिए जनजागरण कर समाज को पर्यावरण संरक्षण के लिए खड़ा करने का फैसला किया है। भारत में परिवारों का विघटन भी एक प्रमुख समस्या बनी है। इसे दूर करने के लिए कुटुम्ब प्रबोधन का भाव जगाना है। भारत जब परतंत्रता की बेडियों में नहीं जकड़ा था और स्वदेशी शासन, स्वदेशी व्यवस्था संचालित होती थी तो आत्मनिर्भर था। आज फिर स्व का भाव जगाकर भारत की स्व की भावना को प्रबल करना आवश्यक है यह मानकर स्वदेशी और निज राष्ट्र, निज भाषा, निज संस्कृति, निज धर्म के प्रति स्वाभिमान का भाव जगाने के लिए अभियान आरंभ किया जा रहा है। एक नागरिक के रूप में हमारे क्या कर्तव्य हैं यह जानना हर देशवासी के लिए आवश्यक है। उनका पालन करने से समाजजीवन में अनुशासन का भाव जागृत होता है और हम राष्ट्रीय दायित्व का निर्वहन करने के लिए भी तैयार और तत्पर होते हैं। यह भावना जगाने के लिए नागरिक कर्तव्य को पंच परिवर्तन का पांचवा आयाम संघ ने बनाया है। अपने संगठन बल और व्यापक आधार के बल पर संघ पंच परिवर्तन से देश में क्रांतिकारी परिवर्तन लाने में अवश्य सफल होगा।

(इस लेख के लेखक सर्वेश कुमार सिंह, स्वतंत्र पत्रकार तथा पत्रकारों के संगठन के अध्यक्ष हैं।)

जांच हो तो ऐसे (व्यंग्य)

किसी भी व्यक्ति की किसी भी परेशानी को हल करने के दो तरीके हो सकते हैं। उन्हें अच्छी तरह से समझा दिया जाए। अगर उनको समझ नहीं आ रहा या समझा नहीं पा रहे तो उन्हें अच्छी तरह से कंफ्यूज कर दिया जाए। किसी भी मामले में जांच के बाद एक ही बात सामने आएगी। बंदा दोषी मान लिया जाएगा या केस इतने सधे हुए तरीके से उलझा दिया जाएगा कि कई साल तक सुलझ न सके। किसी भी तरह की जांच करना भी एक कला है। कई बार जांच, संजीदगी में डूबी गहराई से की जाती है। इतनी कि दोनों जांच रिपोर्ट्स अलग अलग होती हैं। एक रिपोर्ट बचाती है दूसरी फंसाती है। इस तरह जांच गजब हो जाती है। दिलचस्प है कि बड़े आकार की कुर्सियों पर विराजने वाले महाअनुभवियों की शिकायत महिला कर्मचारी से करवाई जाती है। ऐसा करना सुरक्षित माना जाता है।

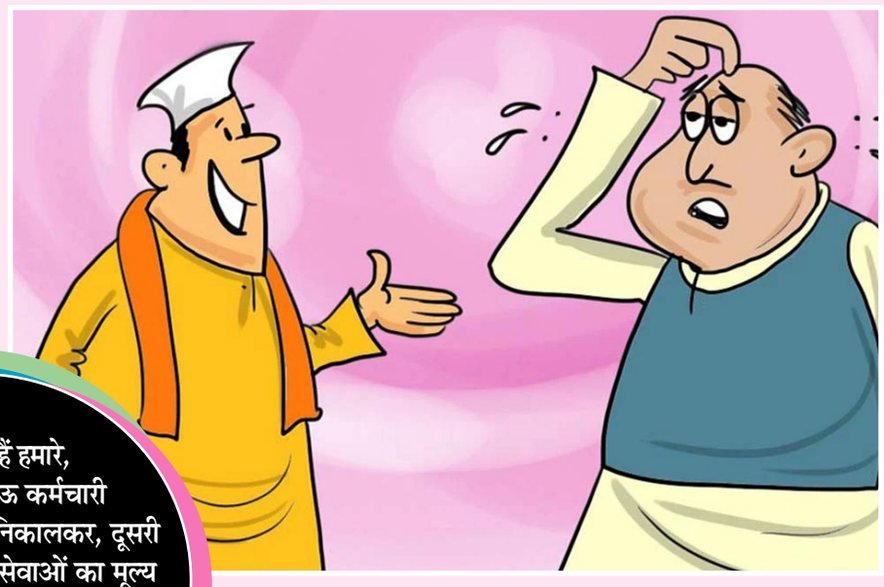

कुछ ऐसे विभाग हैं हमारे, जिनके महाकमाऊ कर्मचारी अपना कीमती समय निकालकर, दूसरी जगह अपनी बहुमूल्य सेवाओं का मूल्य वसूल करने के लिए जी तोड़ मेहनत करना शुरू कर देते हैं। अपनी आर्थिक सेहत के साथ दूसरों के स्वास्थ्य का भी ध्यान रखते हैं।

कुछ ऐसे विभाग हैं हमारे, जिनके महाकमाऊ कर्मचारी अपना कीमती समय निकालकर, दूसरी जगह अपनी बहुमूल्य सेवाओं का मूल्य वसूल करने के लिए जी तोड़ मेहनत करना शुरू कर देते हैं। अपनी आर्थिक सेहत के साथ दूसरों के स्वास्थ्य का भी ध्यान रखते हैं। जब शिकायतजी आती हैं तो गेंदे के ताजा फूलों से उनका स्वागत किया जाता है। ऊंची कुर्सी वाले, अनुशासन प्रिय, अनुशासन बनाए रखने वाले, एक दो या तीन सदस्य वाली सख्त जांच कमेटी गठित कर दी जाती है।

ऊंचे स्तर की पहली कुर्सी दोषी करार देती है, ऊंचे ही स्तर की दूसरी कुर्सी दोषी को दोषी करार नहीं देती। ऐसे की जाती है गुणात्मक जांच। सभी जानते हैं कि आजकल कई महिलाएं, कानूनों का उचित फायदा उठाती हैं और पुरुषों को फंसा देती है। जांच शुरू हो जाए तो कई मामलों में जुगाड़ शुरू हो जाता है। जांच का जाना माना प्रारूप तो ऐसा ही है । जांच करने वाले तकनीकी, शैक्षिक मानसिक, शारीरिक और बौद्धिक रूप से सक्षम व्यक्ति होते हैं। जांच करने के लिए ऐसे व्यक्ति चुने जाते हैं जिन्हें जांच के सभी कायदे कानून का पता हो। जांच भी एक तरह की आंच ही होती है जिसकी आहुतियां वांछित हवन सामग्री के बिना संपन्न नहीं हो सकती।

जांच के दौरान झूठे या सच्चे शपथ पत्र, उचित गवाह की भूमिका निभाते हैं। दूसरों पर साजिश रचने का आरोप भी लगाया जाता है। जब जांच में दोनों जांचकर्ता अलग अलग रिपोर्ट दें तो दोनों रिपोर्ट्स को उच्च प्रशासनिक अधिकारी के पास भेज दिया जाता है। क्यूंकि वे ही ऐसे मामलों को निबटाने में महासक्षम और लायक होते हैं। उन्हें यह अनुभव होता है कि किस मामले का फुटबाल मैच बरसों खिलाना है और किसे टेबल टेनिस की तरह निबटाना है। जरूरत के मुताबिक वे बड़ी या छोटी राजनीतिक टांग भी फंसवा देते हैं। जिससे नए अंदाज में मामले की जांच कर, उदाहरण स्थापित किया जाता है। दोनों विरोधी पार्टियों को एक खास मेज के पास बिठाकर, मामले का चाय, पानी, दही, लस्सी, रायता या वाइन वगैरा बना कर पिला दिया जाता है। जांच की ऐसी की तैसी करने के बाद चेहरों पर मुस्कुराहटें खिली होती है। इसी प्रक्रिया को कहते हैं जांच हो तो ऐसे।

- संतोष उत्सुक

राशिफल

अश्विन माह, शुक्ल पक्ष, एकादशी | **(विक्रम संवत् 2082)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
व्यावसायिक सफलता मिलेगी। पिता का साथ होगा। कोर्ट-कचहरी में विजय मिलेगी।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
भाग्य साथ देगा। रोजी-रोजगार में तरक्की करेंगे। परिस्थितियां अनुकूल रहेंगी। स्वास्थ्य थोड़ा मध्यम है।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
स्वास्थ्य पर ध्यान दें। प्रेम, संतान भी मध्यम है। व्यापारिक दृष्टिकोण से शुभ समय। वाहन धीरे चलाएं।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
जीवनसाथी के साथ भरपूर अच्छा वक्त गुजारेंगे। रंगीन बने रहेंगे। प्रेमी-प्रेमिका की मुलाकात होगी।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
शत्रुओं पर दबदबा कायम रहेगा। गुण ज्ञान की प्राप्ति होगी। बुजुर्गों का आर्शीवाद रहेगा।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
भौतिक सुख संपदा में वृद्धि होगी। भूमि, भवन और वाहन की खरीदारी संभाव है।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
गृह कलह के संकेत हैं। भूमि, भवन, वाहन की खरीदारी का प्रबल योग बनेगा। स्वास्थ्य अच्छा।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
अपनों में वृद्धि होगी। धन में वृद्धि होगी। बस जुबान पर काबू रखें। निवेश पर काबू रखें।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
धन आगमन होगा। कुटुंब में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य अच्छा है। प्रेम, संतान बहुत अच्छा है। व्यापार भी बहुत अच्छा है।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
परिस्थितियां अनुकूल हैं। आकर्षण के केंद्र बने रहेंगे। जरुरत के हिसाब से वस्तुएं जीवन में उपलब्ध होंगी।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
चिंताकारी सृष्टि का सृजन होगा। खर्च की अधिकता मन को परेशान करेगी। सर दर्द, नेत्र पीड़ा बनी रहेगी।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
मीन राशि की स्थिति अच्छी है। आय के नवीन स्तोत्र बनेंगे। पुराने स्तोत्र से भी पैसे आएंगे।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष का किया स्वागत

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी के जेवर आगमन पर जिला अध्यक्ष अभिषेक शर्मा के नेतृत्व में जेवर मंडल के कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया।

प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने कहा कि सभी भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता पार्टी संगठन और सरकार की उपलब्धियों को जनता तक पहुँचाने के लिये सम्पर्क करें और आगामी पंचायत चुनाव और एम एल सी चुनाव के लिये वोट बनवाने के काम में जुट जाएँ

जिला अध्यक्ष अभिषेक शर्मा ने कहा उनका यह आगमन न केवल हम कार्यकर्ताओं के लिए उत्साहवर्धक रहा, बल्कि संगठन की मजबूती और कार्यकर्ताओं के मार्गदर्शन का भी सशक्त प्रतीक है। प्रदेश के विकास और जन-सेवा की दिशा में उनका अनुभव और नेतृत्व हम सभी के लिए प्रेरणा स्रोत है। इस अवसर पर मुख्य रूप से जिला पंचायत अध्यक्ष अमित चौधरी जिला मंत्री विकाश चौधरी संजय रावत कर्मवीर आर्य रवि अग्रवाल योगेश चौधरी भोले चौधरी रोहित ठाकुर राजू अत्री नवीन प्रधान डॉक्टर चन्दर सिंह आदि दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित रहे

विजयादशमी महोत्सव बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। असत्य पर सत्य की विजय का संदेश लिए साइट 4 रामलीला ग्राउंड में श्री रामलीला कमेटी द्वारा आयोजित विजयादशमी महोत्सव बड़े उत्साह और हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ।

कार्यक्रम की शुरुआत गांधी जयंती के शुभ अवसर पर 'ऑपरेशन सिन्दूर' पर आधारित कार्यक्रम से हुई। इसे देखकर उपस्थित हजारों दर्शकों ने भारत माता के जयकारे लगाना शुरू कर दिया और रामलीला ग्राउंड 'भारत माता की जय' व 'जय श्रीराम' के उद्घोष से गूंज उठा।

कमेटी के अध्यक्ष सरदार मनजीत सिंह ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। 'ऑपरेशन सिन्दूर' के बाद रामलीला का मंचन हुआ, जिसमें भगवान श्रीराम, सीता माता, लक्ष्मण और रावण की भूमिका निभाने वाले कलाकारों ने दर्शकों का मन मोह लिया।

महासचिव विजेन्द्र सिंह आर्य ने बताया कि रामलीला में मेघनाथ युद्ध लड़ने जाता है, लेकिन लक्ष्मण से हार मानकर समझ जाता है कि यह वास्तव में भगवान हैं। वह रावण को चेतावनी देता है कि सीता माता को लौटाएं, अन्यथा राक्षस जाति का विनाश निश्चित है।

कोषाध्यक्ष मनोज गर्ग ने बताया कि रावण अपने मित्र अहि रावण को बुलाता है, जो विभीषण का वेश लेकर राम-लक्ष्मण को पाताल लोक ले जाता है। इस पर हनुमान जी आते हैं और अहि रावण का वध कर राम-लक्ष्मण को सुरक्षित लौटाते हैं।

संयुक्त महासचिव सौरभ बंसल ने बताया कि अंततः रावण युद्ध लड़ता है और प्रभु श्रीराम के हाथों मारा जाता है। इसके बाद कुम्भकर्ण, मेघनाथ और रावण के पुतले दहन किए गए और रंगीन आतिशबाजी ने महोत्सव का दृश्य और भी भव्य बना दिया।

मीडिया प्रभारी विनोद कसाना ने बताया कि 3 अक्टूबर को भरत मिलाप की सुंदर लीला का मंचन किया जाएगा, जो महोत्सव की समापन झलक के रूप में बहुत भव्य और दर्शनीय रहेगा।

इस अवसर पर अध्यक्ष मनजीत सिंह, धर्मपाल भाटी, विजेन्द्र सिंह आर्य, मनोज गर्ग, सौरभ बंसल, विनोद कसाना, ओमप्रकाश अग्रवाल, कुलदीप शर्मा, मुकेश शर्मा, हरेन्द्र भाटी, मुकुल गोयल, अमित गोयल, अतुल जिंदल, गिरीश जिंदल, अनुज उपाध्याय, कमल सिंह आर्य, श्यामवीर भाटी, श्री चन्द भाटी, मनोज यादव, सुभाष चंदेल, गजेंद्र चौधरी, सुनील प्रधान, अरुण गुप्ता, अतुल जैन, अंकुर गर्ग, मोनो गर्ग, दीपक भाटी, राहुल नम्बरदार, प्रभाकर देशमुख, विशाल जैन, विकास आर्य, रिंकू आर्य, प्रमोश मास्टर सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

श्री धार्मिक रामलीला कमेटी ने दशहरा महोत्सव का किया भव्य आयोजन

ग्रेटर नोएडा। श्री धार्मिक रामलीला कमेटी ग्रेटर नोएडा द्वारा दशहरा महोत्सव का दसवां दिन बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

महोत्सव के मुख्य अतिथि विधायक दादरी तेजपाल नागर रहे। अध्यक्ष आनंद भाटी ने बताया कि इस अवसर पर असत्य पर सत्य की विजय का प्रतीक दर्शाते हुए 60 फीट के रावण, 55 फीट के कुंभकरण और 50 फीट के मेघनाथ के पुतलों का भव्य दहन किया गया।

उन्होंने कहा कि इस महोत्सव के माध्यम से हमारी सनातन सभ्यता को जीवंत देखने और उसका हिस्सा बनने का सौभाग्य सभी नगरवासियों को प्राप्त हुआ।

इस अवसर पर संस्थापक सुशील महाराज, संस्थापक एडवोकेट राजकुमार नागर, पंडित प्रदीप शर्मा, शेर सिंह भाटी, हरवीर मावी, मुख्य संरक्षक नरेश गुप्ता, संरक्षक सुशील नागर, धीरेंद्र भाटी, मनोज गुप्ता, सतीश भाटी, दिनेश गुप्ता, पवन नागर, बालकिशन सफीपुर, धीरज शर्मा, महासचिव ममता तिवारी, कोषाध्यक्ष अजय नागर, वरिष्ठ उपाध्यक्ष महेश शर्मा बदौली, सुभाष भाटी, उमेश गौतम, योगेंद्र भाटी, मनीष डाबर, रोशनी सिंह, चैन पाल प्रधान, मीडिया प्रभारी अतुल आनंद, जितेन्द्र भाटी, सत्यवीर मुखिया, फिरे प्रधान, पी पी शर्मा, महेश कमांडो, सचिव ज्योति सिंह, वीरपाल मावी, जयदीप सिंह, गीता सागर, यशपाल नागर, तेजकुमार भाटी, पवन भाटी, सुंदर भाटी आदि लोग उपस्थित रहे।

पैरामाउंट गोल्फ फॉरेस्ट सोसाइटी में विजयादशमी महोत्सव धूमधाम से मनाया

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। सत्य, धर्म और मर्यादा की विजय का संदेश लेकर पैरामाउंट गोल्फ फॉरेस्ट सोसाइटी में विजयादशमी महोत्सव धूमधाम से आयोजित किया गया। शिव मंदिर ट्रस्ट और गोल्फ फॉरेस्ट कम्युनिटी टीम के संयुक्त प्रयास से सम्पन्न इस भव्य आयोजन में सोसाइटी के निवासी और श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

मुख्य अतिथि दादरी विधायक तेजपाल नागर ने अपने संबोधन में कहा जैसे भगवान श्रीराम ने जीवन से धर्म, सत्य और मर्यादा का मार्ग दिखाया, वैसे ही हमें भी अपने जीवन में बुराई, अन्याय और अहंकार का त्याग कर अच्छाई और सद्गुण अपनाने चाहिए।

गेट नंबर 3 स्थित गोलचक्कर पर आयोजित इस महोत्सव में ढोल-नगाड़ों की गूंज, भक्ति गीतों

की मधुर लहरियाँ और 'जय श्रीराम' के उद्घोष ने सभी को दिव्य आनंद से भर दिया।

महोत्सव की सफलता में सोसाइटी के सदस्यों और आयोजन समिति का योगदान अहम रहा। विशेष रूप से सुंदर सिंह, प्रशांत धामा, अशोक चौधरी, एडवोकेट गौरव शर्मा, अरविंद अहलावत, आसू राणा, अशोक बालियान, गौरव सिंह, मनीष चौधरी, ब्रजकुमार सांगवान और कई अन्य लोगों का सहयोग सराहनीय रहा।

महोत्सव का सबसे बड़ा संदेश यही रहा कि समाज से बुराई को मिलकर दूर करें, आपसी भाईचारे और एकता को मजबूत करें, और आने वाली पीढ़ियों को सत्य और धर्म के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करें।

कांग्रेस ने महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर माल्यार्पण किया

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। जिला कांग्रेस कमेटी गौतमबुद्ध नगर मुख्यालय पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जन्मजयंती के अवसर पर उन्हें माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की और उनके आदर्शों को याद किया।

जिला अध्यक्ष दीपक भाटी चोटीवाला ने अपने संबोधन में कहा कि आज पूरा देश इन महान विभूतियों के जीवन और उनके सिद्धांतों को स्मरण कर रहा है। उन्होंने बताया कि महात्मा गांधी ने सत्य, अहिंसा और सादगी के माध्यम से न केवल स्वतंत्रता संग्राम को नई दिशा दी, बल्कि पूरी दुनिया को मानवता और शांति का संदेश दिया। उनका जीवन हर भारतीय के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

जिला अध्यक्ष ने आगे कहा कि लाल बहादुर शास्त्री ने अपने सादगीपूर्ण जीवन, ईमानदारी और

कर्मठता से भारतीय राजनीति में एक आदर्श स्थापित किया। उनका प्रसिद्ध नारा जय जवान, जय किसान आज भी हर भारतीय के दिल में गूंजता है और देश की मजबूती तथा आत्मनिर्भरता का प्रतीक है।

पूर्व सैनिक प्रकोष्ठ के चेयरमैन महाराज सिंह नागर ने कहा कि महात्मा गांधी ने सत्य और अहिंसा को अपनाकर आज़ादी की लड़ाई को जन-आंदोलन का रूप दिया। उनका जीवन हमें यह सिखाता है कि संघर्ष चाहे कितना भी बड़ा क्यों न हो, सत्य और नैतिकता की शक्ति से विजय निश्चित है। अनुसूचित जाति मोर्चा के जिला चेयरमैन धर्म सिंह बाल्मीकि ने अपील की कि सभी कांग्रेस कार्यकर्ता महापुरुषों के विचारों को अपने जीवन में आत्मसात करें और देश की एकता एवं प्रगति में भागीदार बनें।

कांग्रेस मीडिया पैनेलिस्ट दुष्यंत नागर ने कहा कि महात्मा गांधी केवल एक व्यक्ति नहीं, बल्कि एक गाथा हैं, और उनका जीवन पूरे विश्व में प्रेरणा का स्रोत है। जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष और संगठन प्रभारी मुकेश शर्मा ने जन्म जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम का सफलतापूर्वक संचालन किया।

कार्यक्रम में मुकेश शर्मा, दुष्यंत नागर, महाराज सिंह नागर, धर्म सिंह बाल्मीकि, विजय नागर, कपिल भाटी, श्रुति कुमारी, रमेश यादव, रमेश वाल्मीकि, हरेन्द्र शर्मा, तनवीर अहमद, सुबोध भट्ट, सचिन जीनवाल, नीरज शर्मा, रमा नैय्यर, पुनीत मावी, नितीश चौधरी, तीरथराम वाल्मीकि, गौरव वशिष्ठ, रमेश प्रधान, ओमकार राणा, योगी प्रधान, यश भाटी, महरचंद, दयानन्द नागर, प्रिंस भाटी, अंकित, परिबोध जाटव, राजन, महिपाल सिंह, सुनील शर्मा, दुलीचंद आर0 एस0 नागर, जयवीर एडवोकेट, राजे मुखिया, गजेंद्र सिंह, विपिन कुमार सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

प्राधिकरण अधिकारियों ने किया सैक्टर पी-4 का दौरा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीनियर मैनेजर राकेश बाबू ने अपने टीम के साथ सैक्टर पी -4 का दौरा किया जिसमें टेक्निकल अजय सिंह तकनीकी अखंड प्रताप सिंह उपस्थित रहे सेक्टर निवासी कृष्ण नागर ने कहा की पिछले दिनों समस्याओं को लेकर प्राधिकरण की एसीईओ से शिकायत की थी जिसका संज्ञान लेकर आज सेक्टरों में प्राधिकरण के वरिष्ठ अधिकारियों ने दौरा किया है जिसमें पेड़ों की छँटाई सड़क के सहारे बढ़ी हुई घास को लेकर सीनियर मैनेजर ने ठेकेदार पर नाराज़गी ज़ाहिर की और कहा कि अगर दो दिन में पेड़ों की छँटाई नहीं हुई तो कठोर कार्रवाई की जाएगी ठेकेदार ने जल्द सभी समस्याओं को निस्तारण करने का आश्वासन दिया है।

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू.पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

किसान अन्नदाता ही नहीं बल्कि अग्रदूत भी है : प्रधान

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। विकसित भारत विकसित उत्तर प्रदेश विजन 2047 उत्तर प्रदेश नई सोच, नई ऊर्जा और नए संकल्पों के साथ एक विकसित, आत्मनिर्भर और भारत के निर्माण में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। यह बात चैनपाल प्रधान ने कही है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश की इस विकास यात्रा में हम मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ हर नागरिक की सहभागीता है। किसान केवल अन्नदाता नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर भारत के अग्रदूत हैं। युवा मात्र विद्यार्थी नहीं, बल्कि परिवर्तन के वाहक हैं। मातृशक्ति गृहलक्ष्मी के साथ ही हमारे समाज की रीढ़ हैं। और उत्तर प्रदेश केवल प्रदेश नहीं बल्कि प्रतिभा, सनातन संस्कृति परंपरा और प्रगति की प्रयोगशाला है। यह बदलाव की कहानी का एक पड़ाव मात्र है। अभी तो अनेक अवसर, अनगिनत योजनाएं और अगाध संकल्प शेष हैं, जिन्हें अनथक प्रयासों से सिद्धि तक पहुंचाना है। हमारा लक्ष्य %विकसित उत्तर प्रदेश% है। प्रदेश को देश की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था ही नहीं बनाना है, बल्कि 25 करोड़ प्रदेश वासियों की आकांक्षाओं को साकार स्वरूप प्रदान करना है।

आरएसएस ने निकाली पद यात्रा

भदेही (ज्ञानपुर)। डीघ ब्लॉक के धनतुलसी ग्राम सभा में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ डीघ खंड द्वारा राष्ट्र सेवा को समर्पित, विश्व के सबसे बड़े स्वयंसेवी संगठन, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्ष पूरे होने पर समस्त स्वयंसेवकों ने मिलकर पदसंचल धनतुलसी से इटहरा तक पदयात्रा किया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता राकेश शुक्ल जिला पर्यावरण प्रमुख, कार्यक्रम अध्यक्ष भगवान स्वरूप शुक्ल स्थाई अधिवक्ता भारत सरकार एवं राष्ट्रीय कार्यकारिणी भारतीय भाषा अभियान और कैलाश नाथ पांडेय डीघ खंड संघचालक रहे। कार्यक्रम का आयोजन डीघ खंड कार्यवाह डॉ? रितुराज पांडेय एवं संचालन बृजेश पांडेय अधिवक्ता जिला सत्र न्यायालय द्वारा किया गया। प्रमुख रुप से उपस्थित रहे राजकुमार सिंह जिला समरसता प्रमुख, आनन्द कुमार शुक्ल राष्ट्रीय संयोजक पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति मंच के साथ शैलेश पांडेय मंडल अध्यक्ष डीघ भाजपा, जिला सह संयोजक विधानचंद दूबे के साथ सैकड़ों स्वयंसेवक उपस्थित रहें।

कांग्रेस सेवादल ने मनाई जयंती

दादरी। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्व0 लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर जिला कांग्रेस सेवा दल गौतमबुद्ध नगर द्वारा जिला कार्यालय सेवा दल, दौलत राम मार्किट, दादरी में सुबह 10 बजे राष्ट्र के इन महान नेताओं को कृतज्ञता ज्ञापित की गई और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

इस अवसर पर वसील अहमद, पूर्व जिला अध्यक्ष कांग्रेस सेवा दल, राधा रानी, महिला जिलाध्यक्ष कांग्रेस, शाहिद भाई, रणवीर सिंह, जाहिद भाई, बाबू सैफी, आस मोहम्मद, हाजी निजाम सैफी, सर्ताज मेवाती, गीता सिमरन, डॉ. शुभराती, इमरान सैफी आदि मौजूद रहे।

सेवा पखवाड़ा के तहत सांसद एवं विधायक ने की खादी की खरीददारी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस पर चल रहे सेवा पखवाड़े के तहत महात्मा गांधी की प्रतिमा की सफ़ाई की और माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित किया। भाजपा कार्यालय सैकटर 116पर भी गांधी जयंती समारोह आयोजित किया गया। पूर्व केन्द्रीय मंत्री एवं सांसद डॉ. महेश शर्मा, नोएडा विधायक पंकज सिंह, महानगर अध्यक्ष महेश चौहान के नेतृत्व मे खादी की दुकान पर जाकर स्वदेशी ख़रीदो के तहत खादी का कपड़ा ख़रीदा।

इस दौरान पूर्व केन्द्रीय मंत्री डाक्टर महेश शर्मा ने कहा कि गांधीजी ने हमें सिखाया कि सच्चाई और अहिंसा के रास्ते पर चलकर भी कई परिवर्तन लाये जा सकते हैं। बिना हथियार उठाये उन्होंने सत्याग्रह और शांतिपूर्ण आंदोलनों जैसे चंपारण सत्याग्रह, असहयोग आंदोलन, दांडी यात्रा, और भारत छोड़ो आंदोलन का प्रतिनिधित्व किया।

नोएडा विधायक पंकज सिंह ने कहा कि महात्मा गांधी के त्याग और देश की आजादी में अहम योगदान के लिए उन्हें राष्ट्रपिता का दर्जा दिया गया है। देश के लोगों ने उन्हें बापू कहकर पुकारा।

इस अवसर पर भाजपा महानगर अध्यक्ष महेश चौहान, चंदगीराम यादव, विनोद शर्मा, डिम्पल आनंद, मनीष शर्मा, अमित त्यागी, उमेश त्यागी, गणेश जाटव, गिरजा सिंह, लोकेश कश्यप, मंडल अध्यक्ष शसिधर उपाध्याय, भूपेश चौधरी, ओमवीर अवाना, मनोज चौहान एवं मंडल की समस्त टीम उपस्थित रही।

सभी कर्मचारी स्वच्छता का संकल्प लें: डॉ. लोकेश एम

नोएडा (चेतना मंच)। गाँधी जयंती के अवसर पर सेक्टर-6 स्थित नौएडा प्राधिकरण के मुख्य प्रशासनिक भवन प्रांगण में एक विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस अवसर पर मुख्य कार्यपालक अधिकारी सहित वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे और महात्मा गाँधी जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। कार्यक्रम में बच्चों द्वारा गांधी जी को स्मृति कर संगीत प्रस्तुत किया गया तथा उनके आदर्श 'स्वच्छता ही ईश्वर की सच्ची सेवा है' को याद कर उन्हें नमन किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर सीईओ डॉ. लोकेश एम ने कहा कि महात्मा गांधी ने कहा था कि स्वच्छता ही ईश्वर की सच्ची सेवा है। आजादी बाद में आएगी लेकिन आपका साफ-सफाई व स्वच्छता पर पहले ध्यान देना होगा। उन्होंने कहा कि नोएडा प्राधिकरण ने स्वच्छता में नंबर-1 का खिताब हासिल किया है लेकिन अभी इस पर और अधिक काम करने की जरूरत है।

उन्होंने आह्वान किया कि आज 2 अक्टूबर को सभी कर्मचारी व अधिकारी स्वच्छता का संकल्प लें।

उन्होंने कहा कि आज लाल बहादुर शास्त्री का भी जन्मदिन है उसके साथ विजयदशमी का पर्व भी है। सभी को बुराई पर अच्छाई की जीत के साथ त्यौहार मनाना चाहिए।

इस अवसर पर एसीईओ सतीश पाल , वंदना त्रिपाठी, ओएसडी महेंद्र प्रसाद, क्रांति शेखर सिंह, डीपी सिंह, महाप्रबंधक जल आरपी सिंह, महाप्रबंधक जन स्वास्थ्य एसपी सिंह, महाप्रबंधक ए.के अरोड़ा, उप महाप्रबंधक सिविल विजय कुमार रावल, एनईए अध्यक्ष चौधरी राजकुमार समेत कई अधिकारी व कर्मचारी मौजूद थे।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने गांधी व शास्त्री को दी श्रद्धांजलि

नोएडा (चेतना मंच)। महानगर कॉंग्रेस कार्यालय नोएडा सेक्टर 52 में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी और किसान पुत्र पूर्व प्रधान मंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती पर कॉंग्रेस नेताओं ने श्रद्धा सुमन अर्पित करें और विचार गोष्ठी का आयोजन किया।

गोष्ठी में विचार रखते हुए महानगर अध्यक्ष मुकेश यादव ने कहा कि गांधी जी के विचारों से हमें आजादी मिली और अंग्रेजो को भारत से भागना पड़ा .गांधी जी ने हमें सिखाया कि किस तरह से अहिंसा के रास्ते पर चलकर हम जीत सकते है और देश और समाज को दिशा दे सकते है. विनम्र, दृढ, सहिष्णु एवं जबर्दस्त आंतरिक शक्ति वाले शास्त्री जी लोगों के बीच ऐसे व्यक्ति बनकर उभरे जिन्होंने लोगों की भावनाओं को समझा।

प्रदेश सचिव पुरुषोत्तम नागर ने कहा कि गांधी जी और लाल बहादुर शास्त्री जी इस देश मै ऐसे महापुरुष हुए जिन्होंने अपना संपूर्ण जीवन देश सेवा में लगा दिया। लाल बहादुर शास्त्री जी द्वारा दिया नारा 'जय जवान जय किसान' आज भी हममें जोश भरने का कार्य करता है। गोष्ठी का संचालन उपाध्यक्ष एवं संगठन प्रभारी ललित अवाना ने किया।

इस अवसर पर लियाकत चौधरी, यतेनदर शर्मा, संजय तनेजा, डॉ सीमा, उर्मिला चौधरी, विक्रम चौधरी, रामकुमार शर्मा, एस एस शिशौदिया, दया शंकर पांडेय, राहुल पांडेय, उदय वीर यादव, सुलतान बिछुड़ी, पंकज बेनीवाल, ईश्वर सिंह, अरुण प्रधान, सतीश आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

श्रीराम मित्र मंडल रामलीला समिति

धू-धू कर जले बुराई के तीनों प्रतीक

नोएडा। श्रीराम मित्र मंडल नोएडा रामलीला समिति द्वारा रामलीला मैदान, सेक्टर-62,नोएडा में आयोजित रामलीला मंचन के ग्यारहवें दिन विजयदशमी पर्व धूमधाम से मनाया गया,जिसमें मुख्य अतिथि गौतमबुद्धनगर के सांसद व पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ ?महेश शर्मा,नोएडा के विधायक व उत्तरप्रदेश भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष पंकज सिंह,गौतमबुद्धनगर के अपर पुलिस आयुक्त राजीव नारायण मिश्र ने बाण चलाकर रावण, कुम्भकरण और मेघनाद के पुतलों के साथ महंगाई,पाकिस्तान पोषित अतंकवाद और महिला उत्पीड़न के पुतलों का दहन किया गया।

समिति के महासचिव डॉ. मुन्ना कुमार शर्मा ने कार्यक्रम का संचालन किया तथा सभी उपस्थितजनों व अतिथियों का स्वागत किया।समिति के चेयरमैन उमाशंकर गर्ग, अध्यक्ष धर्मपाल गोयल,कोषाध्यक्ष राजेंद्र गर्ग और समिति के सभी पदाधिकारियों ने पटका ओढ़ाकर व स्मृति चिह्न भेंट कर सभी अतिथियों का सम्मान किया।

इस अवसर पर समिति के सलाहकार मनोज शर्मा,मुकेश गोयल, मीडिया प्रभारी मुकेश गुप्ता, गिरिराज बहेड़िया,चक्रपाणि गोयल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सत्यनारायण गोयल, राजकुमार गर्ग, चौधरी रविंद्र सिंह, तरुणराज, पवन गोयल,बजरंग लाल गुप्ता, एस एम गुप्ता,मुकेश अग्रवाल, नवीन पोरवाल,अनंत वर्मा, राजेश माथुर, साहिल चौधरी, दिनेश मित्तल, दयाशंकर तिवारी, बाबूराम शर्मा आदि उपस्थित रहे।

श्रीराम मित्र मण्डल रामलीला समिति के अध्यक्ष धर्मपाल गोयल ने बताया कि 3 अक्टूबर को भरत मिलाप,श्रीराम राज्याभिषेक आदि लीलाओं सहित सांस्कृतिक कार्यक्रमों व डांडिया उत्सव का भव्य आयोजन किया जाएगा।

महर्षिनगर रामलीला

रावण दहन के साथ सम्पन्न सत्य की जीत का उत्सव

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा के सेक्टर-110 स्थित रामलीला परिसर में विजयादशमी के दिन आयोजित मेले में श्रीराम और रावण की सेना के बीच हुए भीषण युद्ध का जीवंत चित्रण हुआ। लक्ष्मण और मेघनाद के बीच घमासान संग्राम ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया, जिसमें मेघनाद का वध हुआ। तत्पश्चात श्रीराम ने रावण का संहार कर सत्य की असत्य पर विजय का प्रतीक प्रस्तुत किया। रावण, कुंभकर्ण और मेघनाद के पुतलों का दहन होते ही चारों ओर 'जय श्रीराम' के उद्घोष गूंज उठे। अंत में श्रीराम का भव्य राज्याभिषेक हुआ, जिसने पूरे आयोजन को और अधिक गरिमामय बना दिया।

इस अवसर पर आयोजन को विशेष गरिमा प्रदान की महर्षि महेश योगी संस्थान के अध्यक्ष एवं महर्षि यूनिवर्सिटी ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी के कुलाधिपति अजय प्रकाश श्रीवास्तव, उपाध्यक्ष राहुल भारद्वाज, दुर्गा पूजा एवं रामलीला महोत्सव के संयोजक रामेंद्र सचान, कोषाध्यक्ष विनीत श्रीवास्तव, तथा अन्य गणमान्य सदस्यों यादवेंद्र यादव, शिशिरकांत श्रीवास्तव,नरेश श्रीवास्तव, श्रीकांत ओझा, विनोद दीक्षित, दयाशंकर गुप्ता, लल्लन पाठक, गिरीश अग्निहोत्री, शिशुपाल यादव, एस.पी. गर्ग, विनोद श्रीवास्तव, राजेंद्र शुक्ला, धीरेन्द्र श्रीवास्तव और अमन श्रीवास्तव की गरिमामय उपस्थिति ने।

कोरोना में जान गंवाने वाले पत्रकारों को दी श्रद्धांजलि

नोएडा (चेतना मंच)। कोरोना काल के दौरान अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए प्राण गंवाने वाले पत्रकार साथियों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

नोएडा मीडिया क्लब द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी सेक्टर-72 स्थित राष्ट्रीय स्मारक पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अनेक पत्रकारों, समाजसेवियों और नागरिकों ने एकत्र होकर राष्ट्रीय स्मारक पर पुष्प अर्पित के दिवंगत पत्रकारों को नमन किया।

नोएडा मीडिया क्लब के अध्यक्ष आलोक द्विवेदी और महासचिव जयप्रकाश सिंह के नेतृत्व में शहर के पत्रकारों और गणमान्य लोग उपस्थित रहे और सभी ने राष्ट्रीय स्मारक में पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी साथ ही सभी ने दो मिनट का मौन रखकर मृत पत्रकारों कों याद किया।

श्रद्धांजलि कार्यक्रम के दौरान कार्यकारणी सदस्य आँचल यादव, प्रमोद शर्मा और वरिष्ठ पत्रकार संतोष कुमार सिंह, मुखराम सिंह, एसएस अवस्थी, वीरेंद्र मलिक, अरुण सिन्हा, दिनेश शर्मा, राजेश शर्मा, सुमन चौधरी, विजय गोंड, हिमांशु शुक्ला, मनोहर त्यागी, देवमणि शुक्ल, आशू भटनागर, देव गुर्जर, रिंकू यादव ,पवन राज, संदीप गर्ग, संगीता चौधरी, अजब सिंह यादव ,प्रमोद दीक्षित ,ए के लाल,अशोक दुबे ,इमरान ,अकरम चौधरी ,अली खान ,संदीप तिवारी, के आसिफ ,शानू राजपूत ,दीप चौधरी ,रवि यादव,बलवीर सिंह ,रामेश कुमार ,हरवीर चौहान के साथ उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान केंद्र के अध्यक्ष कैप्टन विकास गुप्ता ,सचिन अम्बावत, कांग्रेस नेता मुकेश यादव ,लियाकत चौधरी ,पुरुषोत्तम नागर ,यतेंद्र शर्मा ,ललित अवाना,डॉ सीमा ,उर्मिला चौधरी, सुल्तान बिधूड़ी, फेलिक्स अस्पताल के चेयरमैन डॉ डी.के. गुप्ता और उनकी धर्मपत्नी डॉ रश्मि गुप्ता, राष्ट्रीय लोकदल के विजेंद्र यादव, सपा नेता सुधीर चौहान, किसान नेता अशोक चौहान समेत अन्य गणमान्य शहरवासी मौजूद रहे।

GRV BUILDCON
Concept to reality
ARCHITECTURE/ CONSTRUCTION / INTERIORS
WE DON'T DESIGN HOME/ OFFICE
WE DESIGN DREAMS!
Certified by :
ISO 9001 CERTIFIED
startupindia
MSME MICRO, SMALL & MEDIUM ENTERPRISES
Contact Us : 9999472324, 9999082512
www.grvbuildcon.com

श्री सनातन धर्म रामलीला समिति

रावण-मेघनाथ व कुंभकर्ण के पुतलों का हुआ दहन

नोएडा (चेतना मंच)। श्री सनातन धर्म रामलीला समिति नोएडा में रावण-कुंभकर्ण तथा मेघनाद के पुतले का दहन किया गया।

विजयदशमी पर्व के मुख्य अतिथि श्री सनातन धर्म रामलीला समिति के मुख्य संरक्षक सांसद एवं पूर्व मंत्री भारत सरकार डॉ महेश शर्मा, विधायक नोएडा पंकज सिंह, राज्य मंत्री कैप्टन विकास गुप्ता, पूर्व महिला आयोग अध्यक्ष श्रीमती विमला बाथम, स्वागत अध्यक्ष पीयूष द्विवेदी, डॉ वी.एस. चौहान, मधुसूदन दादू राष्ट्रीय अध्यक्ष लघु उद्योग भारती, कार्यक्रम अध्यक्ष पी.के. अग्रवाल, संस्था के चेयरमैन टी.एन. गोविल, अध्यक्ष टी.एन. चौरसिया, कार्यकारी अध्यक्ष सुशील भारद्वाज, संजय बाली महासचिव, अल्पेश गर्ग कोषाध्यक्ष आदि मौजूद थे।

श्री राम लखन धार्मिक लीला कमेटी

यह त्यौहार बुराई पर अच्छाई की विजय के प्रतिक के रूप में मनाया जाता है : सुरेंद्र नागर

नोएडा (चेतना मंच)। श्री राम लखन धार्मिक लीला कमेटी 46 द्वारा आयोजित रामलीला महोत्सव के दौरान बुराई के तीनों प्रतीकों का दहन किया ।इस अवसर पर रामलीला में मुख्य अतिथि के रूप में राज्यसभा सांसद सुरेंद्र नागर व भाजपा के पूर्व महानगर अध्यक्ष मनोज गुप्ता शामिल हुए। गरिमामय उपस्थिति में राजीव नारायण मिश्रा एडिशनल सी.पी व डीसीपी ट्रैफिक डॉ. प्रवीन रंजन सिंह शामिल हुए अति विशिष्ट अतिथि के रूप में कांग्रेस प्रवक्ता अनिल यादव, वह पूर्व विधायक प्रत्याशी नोएडा कांग्रेस पंखुड़ी पाठक शामिल हुए। सभी लोगों ने संयुक्त रूप से दीप

प्रचलित कर आज की लीला की शुरुआत की।

इस अवसर पर आयोजन समिति के अध्यक्ष मनोज अग्रवाल प्रिया गोल्ड, वाइस चेयरमैन राजेंद्र जैन, पूनम सिंह, अध्यक्ष विपिन अग्रवाल, महासचिव गिर्राज अग्रवाल, कोषाध्यक्ष मनोज अग्रवाल, कृष्णस्वामी, संजय गोयल, आलोक गुप्ता, गौरव कुमार यादव, रामवीर यादव, अशोक गोयल, विकास बंसल, सुशील अग्रवाल, संदीप अग्रवाल, सुशील कुमार सिंघल, पीयूष गोयल, कार्तिक मिश्रा, राहुल गुप्ता, राजेश सिंघल, अनुज गुप्ता, डॉ एसपी जैन, संजय सिंघल नरेश गोयल विपिन सिंगल सुधाकर आदि मौजूद थे।

बीएसएनएल का 25वां स्थापना दिवस मनाया

मिर्जापुर। 1 अक्टूबर को बीएसएनएल का 25वाँ स्थापना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर उपमहाप्रबंधक मिर्जापुर श्री पी सी रावत के मार्गदर्शन में बीएसएनएल के अधिकारियों व कर्मचारियों ने रोड शो का आयोजन किया। एक पेड़ बीएसएनएल के नाम श्लोगन के तहत बीएसएनएल कार्यालय और कालोनी के प्रांगण में सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने पौधारोपण किया।

इस संदर्भ में 27 नवंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीएसएनएल के स्वदेशी 4जी नेटवर्क का उद्घाटन किया था और क्स्ह्रु की स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने पर बधाई दिया था। इस उद्घाटन में मिर्जापुर प्रचालन क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले दो जिलों मिर्जापुर और सोनभद्र में सुदूर क्षेत्रों में लगे 98 फोर जी टावर शामिल थे। मिर्जापुर के 9 टावर लेढुकी, बढ़ौना, मटिहरा, बबुरा रघुनाथ सिंह, पिडरिया, ददरी गहरा, खमवा जयंती, छातो और सरसों में लगे हैं। बाकी 89 टावर सोनभद्र जिले के थे।

संचार मंत्री ने कहा था कि जल्द ही बीएसएनएल स्वदेशी 5 प्रतिशत भी ले कर आएगा। बीएसएनएल मिर्जापुर

ने भारत संचार निगम लिमिटेड के 25 वर्ष पूर्ण होने पर उप महाप्रबंधक कार्यालय अनगढ़ में विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम, पौधारोपण तथा रोड शो करके धूमधाम से मनाया। विभाग के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने बढ़ चढ़ हिस्सा लिया। सांस्कृतिक कार्यक्रम उप महाप्रबंधक पी सी रावत के संबोधन से शुरू हुआ। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि बीएसएनएल ने सेवा के गौरवपूर्ण 25 वर्ष पूर्ण कर लिए हैं और आगे भी जन जन तक संचार व्यवस्था पहुंचाने के लिए कार्य करता रहेगा। कार्यक्रम का संचालन उप मंडल अधिकारी सुभाष वर्मा तथा अवर दूर संचार अधिकारी आनंद प्रजापति ने संयुक्त रूप से किया।

इस कार्यक्रम में अमृतेश कुमार , वी पी राय, इंद्रकुमार विश्वकर्मा शील रत्न कश्यप, अरुणेश, विपिन सिंह, सत्येंद्र सिंह, नागेंद्र सिंह, विनय श्रीवास्तव, अरविंद सिंह, मनीष जायसवाल, राजेश सोनकर , सुनील चौधरी, रमेश पाठक , सिद्धार्थ तिवारी आदि अधिकारियों और कर्मचारियों ने अपना वक्तव्य दिया।

उर्जा मंत्री के आदेश को भी ठेंगे पर रखते हैं एक्सीएन

नोएडा(चेतना मंच) उत्तर प्रदेश के ऊर्जा मंत्री एके शर्मा विद्युत निगम को जहां घाटे से उबारने के लिए निरंतर काम कर रहे हैं वही पश्चिमांचल विद्युत निगम डिवीजन 2 के अधिशासी अभियंता अमित त्रिपाठी उपभोक्ताओं का फोन भी उठाना उचित नहीं समझते डिवीजन 2 के क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति की व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त है शिकायतकर्ता शिकायत लेकर अधिकारियों के यहां चक्कर काट कर परेशान हो चुके हैं अधिशासी अभियंता अमित त्रिपाठी ऊर्जा मंत्री के आदेशों को भी ठेंगे पर रखते हैं। बताते चलें कि ऊर्जा मंत्री एके शर्मा का सख्त आदेश है। निगम के सभी अधिकारी उपभोक्ताओं के फॉर्म को अवश्य उठाएं और उनकी समस्याओं को सुनकर उसका निस्तारण करें लेकिन हाल ही में नोएडा स्थानांतरण होकर आए अमित त्रिपाठी की कार्य शैली को लेकर सवाल उठने लगे हैं। अब देखना है कि ऊर्जा मंत्री एके शर्मा का हंटर नोएडा में तैनात पश्चिमांचल विद्युत निगम के अधिकारियों पर चलता है या नहीं। यह तो आने वाला समय बताएगा लेकिन जिस तरह से नोएडा के विद्युत निगम के अधिकारी बेलगाम हो गए हैं वह पूरे जिले में चर्चा का विषय बना हुआ है।

सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री की जयंती मनाई

भदोही। सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत दो महान विभूतियों महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती बड़े श्रद्धा भाव के साथ मनाई गई।

इस अवसर पर परम महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के चित्रों पर माल्यार्पण किया गया। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष दीपक मिश्रा ने कहा कि सेवा पखवाड़ा का उद्देश्य न केवल उनके आदर्शों को याद करना है, बल्कि समाज में स्वच्छता, अनुशासन और सार्वजनिक जागरूकता को बढ़ावा देना भी है। भाजपा के जिला अध्यक्ष दीपक मिश्रा ने ज्ञानपुर स्थित हरिहरनाथ मंदिर पर स्वच्छता अभियान का संचालन किया और यह संदेश दिया कि हमारा क्षेत्र, प्रदेश और जनपद स्वच्छ रहेगा तो हम सभी लोग स्वस्थ रहेंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम के समापन अवसर पर दीपक मिश्रा ने भदोही नगर के बाजार में खादी ग्रामोद्योग की दुकान पर जाकर खादी से निर्मित वस्त्रों का संग्रह किया। इसके बाद गांधी प्रतिमा की सफाई कर माल्यार्पण किया और महात्मा गांधी को शत-शत नमन किया।

कार्यक्रम में ज्ञानपुर विधायक विपुल दुबे, कार्यक्रम संयोजक नागेंद्र सिंह, ललिता प्रसाद सोनकर, जिला महामंत्री डॉक्टर शैलेंद्र दुबे, मंडल अध्यक्ष हरिओम सिंह, रमेश सोनकर सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पृष्ठ एक के शेष....

कफ सिरप पीने...

लिए भेजे गए हैं, जिसकी रिपोर्ट का इंतजार है।

अभी तक हुई 9 मौतों में से 5 बच्चों को Coldrif और 1 बच्चे को Ne&tro-DS सिरप लेने की हिस्ट्री मिली है. सभी प्राइवेट डॉक्टरों को एहतियात बरतने के निर्देश दिए गए हैं कि वायरल मरीज आने पर उन्हें सीधे सिविल अस्पताल भेजें।

राजस्थान के भरतपुर में कफ सिरप पीने से दो साल के बच्चे की मौत हो गई. इससे पहले सीकर जिले में एक 5 वर्षीय बच्चे की मौत हो चुकी थी। दोनों मामलों में सिरप के सेवन से किडनी फेलियर को प्रमुख कारण माना जा रहा है.

महात्मा गांधी की प्रतिमा...

जय हो संस्था के द्वारा जिसके जीर्णोद्धार की मांग का गत कई वर्षों से की जा रही है। लेकिन शासन प्रशासन के अधिकारी तमाम शिकायत एवं ज्ञापनों सौंपे जाने के बावजदू भी कोई संज्ञान नहीं ले रहे हैं।

वहीं जय हो संस्था के संस्थापक एवं संयोजक कपिल शर्मा एडवोकेट ने बताया कि गत वर्ष भी संस्था के पदाधिकारियों के द्वारा गांधी जी की इस प्रतिमा की ओर प्रशासनिक अधिकारियों का ध्यान आकर्षित करने के लिए एसडीएम दादरी के कार्यालय पर 2 अक्टूबर को मौन उपवास किया था। वहीं हाल ही में भी एक माह पूर्व डीएम के नाम ज्ञापन सौंपकर प्रशासन के अधिकारियों के संज्ञान में इस प्रतिमा को लाने का प्रयास किया गया था। इसी के साथ दादरी नगर एवं उसके आस पास ग्रामीण क्षेत्र में जल निगम के द्वारा जल जीवन मिशन के तहत बनाई गई पानी की टंकियों का भी मुददा उठाया गया था। जोकि सरकार का कई सौ करोड रूपए खर्च होने के बावजूद आज तक भी शुरू नहीं हो सकी हैं। वहीं उन पानी की टंकियों से एक बूंद भी पानी की आपूर्ती आज तक नहीं की गई है। जिससे साफ है कि इन पानी की टंकियों के निर्माण में कोई बड़ा घोटाला हुआ है। जिसे लेकर आगामी 31 अक्टूबर 2025 को महात्मा गांधी जी की पुण्य तिथि के अवसर पर संस्था द्वारा दादरी तहसील में एसडीएम कार्यालय के बाहर सत्याग्रह प्रारंभ किया जाएगा। जिसका समापन शासन प्रशासन के द्वारा कोई ठोस कार्यवाही होने पर ही किया जाएगा।

इस अवसर पर संस्था के संयोजक संदीप भाटी, मंडल महामंत्री प्रमोद शर्मा, जिलाध्यक्ष सचिन शर्मा, सुरजीत विकल, पुष्प शर्मा, हसन रिजवी, फराज रिजवी, नासिर अली, पुनित भाटी, रिंकू भाटी आदि लोग मुख्य रूप मौजूद रहे।

सोशल मीडिया प्लेटफार्म...

पैन कार्ड, बैंक स्टेटमेंट को व्हाट्सएप पर मंगाते। इसके बाद वह रजिस्ट्रेशन फीस के रूप में 299, ईसी इस इन हैंड 399, इंश्योरेंस व जीएसटी के नाम पर 2,400 व 3,200 रुपए ऑनलाइन ट्रांसफर कराकर पैसे निकाल लेते थे। दोनों आरोपियों ने बताया कि वह लोगों का अकाउंट खुलवाकर सिम भी प्राप्त करते और इनका इस्तेमाल ठगी व यूपीआई ट्रांसफर के लिए करते थे। थाना प्रभारी ने बताया कि इनसे बरामद फोन की जाँच की गई तो उनके मोबाइल फोन में व्हाट्सएप चैट में सैकड़ों लोगों का डाटा मौजूद था।

नोएडा प्राधिकरण की...

एसीईओ करूणेश कृष्ण, वंदना त्रिपाठी, सतीश पाल के अलावा महाप्रबंधक ए.के. अरोड़ा, महाप्रबंधक एसपी सिंह, महाप्रबंधक (जल-सीवर एवं विद्युत यांत्रिकी) आर.पी. सिंह, ओएसडी महेन्द्र प्रसाद, डीजीएम विजय रावल समेत कई विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

एक माह बाद...

पर उसकी हत्या करने का शक जाहिर करते हुए शव का पोस्टमार्टम कराए जाने की मांग उठाते हुए अधिकारियों को प्रार्थना पत्र दिया था। परिजनों की मांग पर आज एसडीएम की मौजूदगी में थाना दनकौर पुलिस ने कब्रिस्तान से शहजाद का शव कब्र से निकलवाकर उसे पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया है। थाना प्रभारी का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल पाएगा।

कार से कुचलकर...

वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। अफसरों ने जैसे-तैसे परिजनों को समझाया और मामले को शांत कराया और त्वरित कार्रवाई का आश्वासन दिया. इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया।

वहीं पूरे मामले को लेकर एसीपी अभिषेक श्रीवास्तव ने कहा कि घटना के बाद मृतक बच्चे के पिता ने शिकायत दर्ज कराई, जिसके आधार पर पुलिस ने आरोपी कार चालक के खिलाफ केस दर्ज कर उसे अरेस्ट कर लिया है।

नागरिकों के जीवन को...

संदर्भित करते हुए त्वरित और संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश देने के साथ लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने के लिए संकल्पित है।

इस दौरान उन्होंने अफसरों को हिदायत दी कि किसी की जमीन पर अवैध कब्जा करने वाले, कमजोरों को उजाड़ने वाले किसी भी सूरत में बख्शे न जाएं। उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। यदि जमीन जायदाद से जुड़ा विवाद पारिवारिक हो तो, संबंधित पक्षों को बैठाकर आपसी संवाद से निस्तारण कराया जाए। राजस्व व पुलिस से जुड़े मामलों को मुख्यमंत्री ने पूरी पारदर्शिता व निष्पक्षता के साथ निस्तारित करने का निर्देश देते हुए कहा कि किसी के साथ भी नाइंसाफी नहीं होनी चाहिए। हर पीड़ित के साथ संवेदनशील व्यवहार अपनाते हुए उसकी मदद की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि जो लोग किन्हीं कारणों से सरकार की योजनाओं के लाभ से वंचित हैं, उन्हें इसका लाभ दिलाएं।

आज नोएडा आगमन पर नोएडा प्राधिकरण के चेयरमैन दीपक कुमार का नोएडा एंप्लाइज एसोसिएशन के पदाधिकारियों द्वारा स्वागत किया गया।

आयुर्वेद से भगाएं ऑस्टियोआर्थराइटिस

इस हालत में किसी भी गतिविधि के बाद या आराम की लंबी अवधि के बाद जोड़ों का लचीलापन कम हो जाता है और वो सख्त हो जाते हैं और दर्ददायक बनते हैं।

आयुर्वेद में ऑस्टियोआर्थराइटिस को संधिवात के रूप में जाना जाता है, जो जोड़ों का विकार है। इसका मतलब है कि हमारे शरीर के निचले हिस्से की हड्डियों को सपोर्ट देने वाले सुरक्षात्मक कार्टिलेज और कोमल ऊतकों का किसी कारणवश टूटना शुरू होना है।

ऑस्टियोआर्थराइटिस के लिए एलोपैथिक उपचार के अलावा, कुछ आयुर्वेदिक इलाज भी उपलब्ध हैं। आयुर्वेद कहता है कि शरीर में तीन जीव-ऊर्जा या दोष होते हैं, जो हमारे शरीर के विभिन्न कार्यों को नियंत्रित करते हैं। वात, कफ और पित्त यह उनके नाम हैं। जब एक व्यक्ति किसी भी प्रकार की बीमारी से ग्रस्त होता है, तब यह इन दोषों में असंतुलन की वजह से होता है।

ऑस्टियोआर्थराइटिस वात दोष में एक असंतुलन के कारण होता है और इसलिए ऑस्टियोआर्थराइटिस के लिए आयुर्वेदिक इलाज में इस दोष को संतुलित करने पर ध्यान केंद्रित किया जाता है, जिससे व्यक्ति को दर्द से राहत मिलने में आसानी होती है।

ये हैं जड़ीबूटी

- **गुग्गुल** : ऊतकों को मजबूत बनाता है।
- **त्रिफला** : विषैले तत्वों को शरीर से साफ करना।
- **अश्वगंधा** : शरीर और मन को आराम और तंत्रिका तंत्र को उत्तेजना देना।
- **कॅस्टर (एरंडी)** : इस तेल को दर्द होने वाले क्षेत्र में लगाने के साथ ही इसका सेवन भी लिया जा सकता है, क्योंकि यह एक प्रभावी औषधि है।
- **बाला** : शरीर में रक्त परिसंचरण को बढ़ाने के लिए, दर्द को कम करने के लिए, नसों को ठीक करता है एवं शरीर में ऊतकों का विकास होता है।
- **शालाकी** : अपने सूजन विरोधी गुणों के लिए और शरीर की हड्डियों के करीब के ऊतकों की मरम्मत करने में सक्षम होने के गुण के लिए उपयोगी है।

रोजाना खाएं अदरक मिलेंगे अनगिनत फायदे

अदरक में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेटस, आयरन, कैल्शियम जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो हमारे शरीर को स्वस्थ रखने का काम करते हैं। अदरक खाने से कई फायदे होते हैं।

अदरक एक भारतीय मसाला है जो हर घर में रोजाना इस्तेमाल होता है। अदरक में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेटस, आयरन, कैल्शियम जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो हमारे शरीर को स्वस्थ रखने का काम करते हैं। अदरक खाने से कई फायदे होते हैं। आज हम उन्हीं फायदों के बारे में बताएंगे। चलिए जानते है एक टुकड़ा अदरक रोजाना खाने से शरीर को किस प्रकार फायदा मिलता है।

जी मिचलाना

जी मिचलना और उल्टी की समस्या को रोकने के लिए अदरक औषधि की तरह का काम करता है। 1 चम्मच अदरक के जूस में 1 चम्मच नींबू का रस मिलाएं। इसको हर दो घंटे बाद पीएं। जल्द ही राहत मिलेगी।

गठिया दर्द में राहत

अदरक में एंटी-इन्फ्लॉमेट्री प्रॉपर्टीज होती है जो जोड़ों के दर्द को खत्म करने में सहायक है। अदरक को खाने से या इसका लेप लगाने से भी दर्द खत्म होता है। इसका लेप बनाने के लिए अदरक को अच्छे से पीस लें। उसमें हल्दी मिला लें। इस पेस्ट को दिन में दो बार लगाएं। कुछ ही दिनों में फर्क दिखाई देने लगेगा।

मासिक धर्म में फायदेमंद

कुछ महिलाओं को मासिक धर्म के दौरान बहुत दर्द होती है। ऐसे में अदरक की चाय काफी फायदा पहुंचाती है। इसलिए दिन में 2 बार अदरक की चाय पीएं। इससे दर्द कम होगा।

सर्दी- जुकाम और फ्लू

सर्दी-जुकाम और फ्लू जैसी समस्या से बचने के लिए नियमित रूप से अदरक का सेवन करें। यह शरीर को गर्म रखता है जिससे पसीना अधिक आता है और शरीर गर्म बना रहता है।

माइग्रेन का इलाज

जिन लोगों को माइग्रेन की समस्या है उनके लिए अदरक रामबाण है। जब भी माइग्रेन का अटैक आए, तब अदरक की चाय बना कर पीएं। इसको पीने से माइग्रेन में होने वाले दर्द और उल्टी से काफी हद तक राहत मिलेगी।

दिल को रखता है स्वस्थ

अदरक कोलेस्ट्रॉल लेवल को कम करने, ब्लड प्रेशर को ठीक रखने, खून को जमने से रोकने का काम करता है। इससे दिल संबंधित बीमारियां भी नहीं होती है। इसलिए अपनी डाइट में अदरक को शामिल करें।

पाचन तंत्र मजबूत

अदरक पेट फूलने, कब्ज, गैस, एसीडिटी जैसी समस्याओं को ठीक रखने में भी सहायक है। जिन लोगों को पेट से संबंधित समस्याएं रहती है वह रोजान सुबह खाली पेट अदरक का सेवन करें।

मोर्निंग सिकनेस

मोर्निंग सिकनेस की समस्या अधिकतर गर्भवती महिलाओं को होती है। रोजाना सुबह अदरक के 1 टुकड़े को चबा कर खाएं। कुछ दिनों तक अदरक खाने से मोर्निंग सिकनेस की समस्या दूर हो जाएगी।

ऊर्जा करें प्रदान

अदरक खाने से शरीर गर्म तो रहता ही है साथ ही उसे एनर्जी भी मिलती है। रोजाना सुबह अदरक वाली चाय पीने से शरीर में चुस्ती- फुर्ती बनी रहेगी।

अनुलोम विलोम से स्वच्छ व निरोग रहती हैं नाड़ियां

अनुलोम का अर्थ होता है सीधा और विलोम का अर्थ है उल्टा। यहां पर सीधा का अर्थ है नासिका या नाक का दाहिना छिद्र और उल्टा का अर्थ है- नाक का बायां छिद्र। अर्थात अनुलोम-विलोम प्राणायाम में नाक के दाएं छिद्र से सांस खींचते हैं, तो बायीं नाक के छिद्र से सांस बाहर निकालते है।

यदि नाक के बाएं छिद्र से सांस खींचते हैं, तो नाक के दाहिने छिद्र से सांस को बाहर निकालते हैं। अनुलोम-विलोम प्राणायाम को कुछ योगीगण 'नाड़ी शोधक प्राणायाम' भी कहते हैं। उनके अनुसार इसके नियमित अभ्यास से शरीर की समस्त नाड़ियों का शोधन होता है यानी वे स्वच्छ व निरोग बनी रहती हैं। इस प्राणायाम के अभ्यासी को वृद्धावस्था में भी गठिया, जोड़ों का दर्द व सूजन आदि शिकायतें नहीं होतीं।

प्राणायाम की विधि

- अपनी सुविधानुसार पद्मासन, सिद्धासन, स्वस्तिकासन अथवा सुखासन में बैठ जाएं। दाहिने हाथ के अंगूठे से नासिका के दाएं छिद्र को बंद कर लें और नासिका के बाएं छिद्र से 4 तक की गिनती में सांस को भरें और फिर बायीं नासिका को अंगूठे के बगल वाली दो अंगुलियों से बंद कर दें। तत्पश्चात दाहिनी नासिका से अंगूठे को हटा दें और दायीं नासिका से सांस को बाहर निकालें।
- अब दायीं नासिका से ही सांस को 4 की गिनती तक भरे और दायीं नाक को बंद करके बायीं नासिका खोलकर सांस को 8 की गिनती में बाहर निकालें।
- इस प्राणायाम को 5 से 15 मिनट तक कर सकते हैं।

सावधानियां

- कमजोर और एनीमिया से पीड़ित रोगी इस प्राणायाम के दौरान सांस भरने और सांस निकालने (रेचक) की गिनती को क्रमश: चार-चार ही रखें। अर्थात चार गिनती में सांस का भरना तो चार गिनती में ही सांस को बाहर निकालना है।
- स्वस्थ रोगी धीरे-धीरे यथाशक्ति पूरक-रेचक की संख्या बढ़ा सकते हैं।
- कुछ लोग समयाभाव के कारण सांस भरने और सांस निकालने का अनुपात 1-2 नहीं रखते। वे बहुत तेजी से और जल्दी-जल्दी सांस भरते और निकालते हैं। इससे वातावरण में व्याप्त धूल, धुआं, जीवाणु और वायरस, सांस नली में पहुंचकर अनेक प्रकार के संक्रमण को पैदा कर सकते हैं।
- अनुलोम-विलोम प्राणायाम करते समय यदि नासिका के सामने आटे जैसी महीन वस्तु रख दी जाए, तो पूरक व रेचक करते समय वह न अंदर जाए और न अपने स्थान से उड़े। अर्थात सांस की गति इतनी सहज होना चाहिए कि इस प्राणायाम को करते समय स्वयं को भी आवाज न सुनाई पड़े।

लाभ

- फेफड़े शक्तिशाली होते हैं।
- सर्दी, जुकाम व दमा की शिकायतों से काफी हद तक बचाव होता है।
- हृदय बलवान होता है। इससे हार्ट अटैक नहीं होता।

एम्ब्लायोपिया स्थाई रूप से धुंधली हो सकती है दृष्टि

जिन बच्चों की आंखों की अश्रु नलिकाएं बचपन से ही अवरुद्ध होती हैं। उनकी दृष्टि धुंधली हो सकती है। यदि जन्म के बाद शुरुआती छह से 10 साल के अंदर इसका इलाज न कराया जाए तो दृष्टि स्थाई रूप से धुंधली हो सकती है। इस बीमारी को एम्ब्लायोपिया या लेजी आई कहते हैं।

तीन साल से कम उम्र के ऐसे बच्चे जिनमें अश्रु नलिकाएं (नैसोलेक्रिमल डक्ट ऑब्सट्रक्शन-एनएलडीओ) अवरुद्ध होती हैं। उनमें एम्ब्लायोपिया बीमारी होने का खतरा बढ़ जाता है। इनमें से छह प्रतिशत मरीज ऐसे होते हैं, जिनमें जन्म से ही यह परेशानी होती है।

रखें सावधानी

पेंसिलवेनिया के लैनकास्टर के फैमेली आई ग्रुप के अध्ययनकर्ता नोएल एस. मैटा व डेविड आई. सिलबर्ट का कहना है कि अध्ययन में शामिल 375 बच्चों में से 22 प्रतिशत बच्चों में एम्ब्लायोपिया के खतरे के कारक थे। सामान्य आबादी में इस बीमारी की आठ गुना की दर से वृद्धि हो रही है।

जन्मजात बीमारी

मैटा का कहना है, हमने एनएलडीओ की जन्मजात परेशानी वाले सभी बच्चों की जांच की बात कही। हमने सावधानीपूर्वक उनमें एम्ब्लायोपिया के खतरे के कारकों की मौजूदगी का अध्ययन किया।

रात के समय कार्बोहाइड्रेड चीजें खाने से बचें

स्वास्थ्य सही है तो शरीर सही है। शरीर सही है तो मन सही है। इसलिए अपने स्वास्थ्य पर ज्यादा ध्यान देना चाहिए। हम आपको बताते हैं, हेल्थ के क्या लेना चाहिए और क्या नहीं।

शाम के पांच बजे के बाद कार्बोहाइड्रेट लेना चाहिए या नहीं? यदि वजन पर नियंत्रण रखना चाहते हैं तो पांच नहीं सात बजे के बाद ऐसी चीजें खाने से बचें, जिनमें कार्बोहाइड्रेड होता है। रात के समय हमेशा ऐसी चीजें ही खाएं, जो आसानी से पच जाएं।

- केला और सेब लौह तत्वों से भरपूर हैं। इसलिए वह कटने के बाद भूरे हो जाते हैं। यह गलतफहमी है। भूरा होने की वजह आयरन नहीं एंजाइम हैं। रंग गहराने के पीछे फलों में मौजूद फिनॉलिक कंपाउंड का ऑक्सीडेशन हैं, ये कंपाउंड हवा में तैरती ऑक्सीजन के संपर्क में आने से रंग बदलते हैं।

लो फैट का दूध लें

- दूध और उससे बने उत्पाद बचपन बीत जाने के बाद उपयोगी नहीं। दूध और दूध से बने उत्पादों में केवल प्रोटीन ही नहीं आवश्यक एमिनो एसिड, फैटी एसिड तथा कैल्शियम के साथ विटामिन ए, डी तथा मैग्नीशियम, फास्फोरस व पोटेशियम भी होता है। दूध अवश्य लें भले ही वह लो फैट हो।
- खाने में डाले गए नमक से ज्यादा नुकसानदेह है, ऊपर से नमक डालना? नमक तैयार खाने में पहले से डाला गया हो या ऊपर से मिलाया गया, उसमें मौजूद सोडियम एक समान होता है।
- आयरन का बेहतर स्रोत होने के कारण पालक ही रक्त की कमी से बचाता है। बहुत सी पत्तेदार सब्जियों में भरपूर आयरन होता है जैसे, ब्रॉक्ली में 40 मि.ग्रा., चौलाई-20 मि.ग्रा., सरसों में 16-3 मि.ग्रा., गाजर की पत्तियों में 18 मि.ग्रा. आयरन होता है, जबकि पालक में 1.1 मि.ग्रा. होता है।
- सूजी अनाज नहीं है? सूजी मैदा का दानेदार रूप है। इसमें पोषक तत्वों की मात्रा पॉलिश चावल और मैदे के समान होती है।

एक अंडा ही रोज खाएं

- शुगर फ्री उत्पाद हेल्दी होते हैं। आमतौर पर लोग अकसर शुगर फ्री उत्पादों को लो कैलोरी मान डायबिटीज और वजन नियंत्रण के लिए उपयोगी समझते हैं, परंतु ये शुगर फ्री उत्पाद अनेक अनदेखे शुगर स्रोतों से युक्त होते हैं। इनका अधिक सेवन स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव डालता है।
- अंडों में कोलेस्ट्रॉल अधिक होता है, इसलिए इसे नहीं खाना चाहिए। एक अंडे में 215 मि.ग्रा. कोलेस्ट्रॉल होता है, अकेले एक अंडे की जर्दी में 300 मि.ग्रा. कोलेस्ट्रॉल होता है, लेकिन अंडे में अन्य पौष्टिक तत्वों की बहुलता है। हाल ही में हुई रिसर्च से पता चला कि जो लोग एक अंडा प्रतिदिन खाते हैं, उन्हें अंडा न खाने वालों की तुलना में हृदय रोग का खतरा कम होता है।
- उपवास रखने से शरीर के टॉक्सिन बाहर निकलते हैं। उपवास संतुलित भोजन और अधिक कैलोरीज पर नियंत्रण रखता है, लेकिन इस दौरान रिच डाइट, फल, जूस, अधिक मेवे आदि लेने से इसका उलटा भी हो सकता है।

चीनी ज्यादा न खाएं

- चीनी खाने से डायबिटीज होती है। यह सोच कर चीनी न खाने पर डायबिटीज नहीं होगी, गलत है। स्टार्च, फैट, प्रोटीन और चीनी जैसे अधिक कैलोरी वाले खाद्य शरीर में इंसुलिन की मात्रा बढ़ाकर डायबिटीज को जन्म देते हैं। जब शरीर कार्बोहाइड्रेट को पचाने में अक्षम हो, तभी डायबिटीज होती है।
- शहद जैसे प्राकृतिक पदार्थ शुगर का विकल्प हैं। बहुत से लोग सोचते हैं कि ये शुगर फ्री तथा कम कैलोरी वाले प्राकृतिक स्रोत हैं तथा इन्हें रिफाइन भी नहीं किया जाता, इसलिए ये नुकसानदेह नहीं। लेकिन 1 चम्मच शहद में 65 कैलोरी तथा एक चम्मच शुगर में 46 कैलोरी होती है। ग्लाइस्मिक इंडेक्स भी शहद में 87 तथा शुगर में 59 होता है।
- बिना नमक का खाना तेजी से वजन कम करता है। याद रखें कि पहले तो सोडियम के न रहने पर पानी कम होता है न कि फैट। नर्वस सिस्टम सही ढंग से काम करे, इसके लिए भी सोडियम जरूरी होता है। इसका लेवल डिप्रेशन, स्वभाव परिवर्तन और कमजोरी का कारण होता है।
- शुगर मूड को प्रभावित करती है। इंसानी दिमाग ऊर्जा के लिए पूरे तौर पर ब्लड शुगर (ग्लूकोज) पर निर्भर रहता है। इसकी कमी से हाइपोग्लीमिया का दौरा तथा कमजोरी, डिप्रेशन, दिमागी गड़बड़ियां हो सकती हैं।

केला-दूध फायदेमंद

- रात में मेटाबॉलिज्म सिस्टम धीमा होता है। इसलिए भारी नाश्ता करना चाहिए। सुबह का नाश्ता दिन भर की ऊर्जा के लिए बेहद जरूरी है, लेकिन इसके लिए भारी की जरूरत नहीं। आप केले या दूध से भी काम चला सकती हैं।
- मछली खाने के बाद दूध नहीं पीना चाहिए। ऐसा हमेशा नहीं होता। लेकिन कुछ स्थितियों में इसे मान लेना बेहतर होता है।
- बिना शुगर के फलों के जूस प्राकृतिक व शुगर फ्री होते हैं। ये लो कैलोरी जरूर होते हैं, लेकिन इसमें फ्रूकटोस होने के कारण शुगर फ्री नहीं होते।

सिनेमा के बारे में मुझे उन्होंने ही सबकुछ सिखाया, संजय लीला भंसाली की तारीफ में बोले रणबीर

अभिनेता रणबीर कपूर ने साल 2007 में संजय लीला भंसाली की फिल्म सावरिया से डेब्यू किया था। अब वे भंसाली की फिल्म लव एंड वॉर में नजर आएंगे। इस फिल्म के जरिए रणबीर कपूर करीब 18 साल बाद संजय लीला भंसाली के साथ काम कर रहे हैं। लाइव सैशन में की रणबीर ने फैंस से बात न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक रणबीर कपूर ने संजय लीला भंसाली की तारीफ करते हुए कहा कि अभिनय के बारे में वे जो कुछ भी जानते हैं, वह भंसाली ने ही उन्हें सिखाया है। दरअसल, रणबीर कपूर ने 28 सितंबर को अपने जन्मदिन के अवसर पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर फैंस के साथ लाइव सैशन आयोजित किया। इस दौरान उन्होंने अपने को-एक्टर्स और निर्देशक भंसाली के बारे में बात की।

अगले साल रिलीज होगी लव एंड वॉर

फिल्म लव एंड वॉर 20 मार्च, 2026 को रिलीज होगी। इसमें रणबीर के अलावा आलिया भट्ट और विक्की कौशल भी नजर आएंगे। फिल्म लव एंड वॉर के निर्देशन की कमान संजय लीला भंसाली ने संभाली है। रणबीर ने कहा, इस फिल्म में मेरे दो पसंदीदा हैं। एक, विक्की कौशल। इसके अलावा मेरी सुपर टैलेंटिड वाइफ आलिया भट्ट।

भंसाली को बताया उस्ताद

रणबीर ने आगे कहा, इस फिल्म का निर्देशन वह शख्स कर रहे हैं, जिन्होंने मुझे सिनेमा के बारे में सबकुछ सिखाया। अभिनय के बारे में मैं जो कुछ भी जानता हूं, वह उन्हीं की देन है और उस समय वे एक उस्ताद थे। मैं उनके साथ 18 साल बाद काम कर रहा हूं। आज वे और भी बड़े उस्ताद हैं। इसलिए मैं इस सहयोग से बहुत खुश हूं। बता दें कि इस फिल्म में रणबीर पहली बार विक्की कौशल के साथ काम कर रहे हैं।

सनी संसारी की तुलसी कुमारी में सान्या मल्होत्रा का बोल्ड नया अवतार!

अभिनेत्री सान्या मल्होत्रा अपनी आगामी फिल्म सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी में अपने नए बोल्ड अवतार से सोशल मीडिया पर धूम मचा रही हैं। अपनी बहुमुखी भूमिकाओं के लिए जानी जाने वाली, सान्या ने एक निडर और फ्रेश लुक लेकर आ रही है जो फिल्म के जीवंत और बेबाक मूड को पूरी तरह कॉम्प्लिमेंट करता है। यह नया अवतार पहले से ही ट्रेंड कर रहा है। फैंस उनके आत्मविश्वास, ग्लैमर और स्वैग की खूब तारीफ कर रहे हैं। चाहे वो उनका स्टाइलिश बीचवियर हो या कैमरे के सामने उनका बेबाक अंदाज़ — सान्या का यह नया लुक वाकई में विज़ुअल ट्रीट है। जिसने फिल्म सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी को इस सीज़न की सबसे प्रतीक्षित फिल्मों में से एक बना दिया है। 'मिसेज़' में अपने गहराई से भरे अभिनय से दिल जीतने के बाद, सान्या इस समय अपने करियर के सबसे यादगार साल का आनंद ले रही हैं। उनकी अनोखी और सामाजिक व्यंग्य पर बनी फिल्म 'कटहल- अ जैकफ्रूट मिस्ट्री' को हाल ही में सर्वश्रेष्ठ हिंदी फिल्म का पुरस्कार मिला है, जो यह साबित करता है कि सान्या न सिर्फ अलग और दमदार सिनेमा की पैरोकार हैं, बल्कि लगातार अपनी कला से दर्शकों को चौंका रही हैं। इस पोस्ट में सान्या एक शानदार नीली बिकिनी पहने नज़र आ रही है, और अभिनेत्री के प्रशंसक और फ़ॉलोअर्स उनके आत्मविश्वास से भरे बदलाव की चर्चा कर रहे हैं। वरुण धवन, जान्हवी कपूर और रोहित सराफ के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करते हुए, सान्या का नया सिज़लिंग लुक उनके अब तक के पिछले स्टाइल से बिल्कुल अलग बदलाव दिखाता है, जो उनके व्यक्तित्व का एक ग्लैमरस और बिंदास रूप दर्शाता है।

पब्लिसिटी में दम लगा रहे वरुण और जाह्नवी

फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' को हिट कराने के लिए वरुण धवन, जाह्नवी कपूर, सान्या मल्होत्रा और रोहित सराफ जमकर मेहनत कर रहे हैं। अब रोहित सराफ ने वरुण धवन, जाह्नवी कपूर और सान्या मल्होत्रा को टैग कर वीडियो पोस्ट की है, जिसमें पांचों स्टार्स लग्जरी कार की सवारी कर रहे हैं और कार में भी मस्ती करने का मौका नहीं गंवा रहे। वीडियो में सभी लोग अपने ही फिल्म के गाने बिजुरिया पर गजब के एक्सप्रेशन के साथ डांस कर रहे हैं लेकिन सारी लाइमलाइट मनीष पॉल लूट लेते हैं, क्योंकि वीडियो के आखिर में भी एक्टर कॉमेडी ही कर रहे हैं।

बीते रविवार से ही फिल्म की एडवांस बुकिंग शुरू हो चुकी है

फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' 2 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है, लेकिन फिल्म के लिए फिल्मी गुरुवार मुश्किल रहेगा, क्योंकि इसी तारीख को ऋषभ शेट्टी अभिनीत कांतारा- चैप्टर 1 भी सिनेमाघरों में रिलीज होगी। ये एक पैन इंडिया फिल्म है और कई भाषाओं में रिलीज होगी। फिल्म लगभग 125 करोड़ के बजट के साथ बनी है, जबकि 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' का बजट लगभग 60 करोड़ है। अब देखना होगा कि पहले दिन कौन सी फिल्म दर्शकों का दिल जीतेगी और बड़ी कमाई करेगी। वर्क फ्रंट की बात करें तो वरुण धवन और जान्हवी कपूर की ये साथ में दूसरी फिल्म है। इससे पहले दोनों को बवाल में देखा गया था। फिल्म ने औसत कमाई की थी लेकिन ओटीटी पर फिल्म को अच्छा रिस्पांस मिला था।

फिल्म भागवत में जितेंद्र संग अरशद वारसी लगाएंगे तड़का

बॉलीवुड एक्टर अरशद वारसी अब एक बार फिर से नए अवतार में पर्दे पर दिखाई देंगे। पहले वह जॉली एलएलबी 2 में वकील और फिर बैड्स ऑफ बॉलीवुड में अंडरवर्ल्ड डॉन गफूर के किरदार में दिखाई दिए। और अब वह पुलिस के रोल में नजर आने वाले हैं। वह पंचायत के सचिव जी यानी जितेंद्र कुमार के साथ स्क्रीन स्पेस शेयर करेंगे। दोनों एकसाथ पहली बार स्क्रीन पर दिखेंगे। उनकी मूवी भागवतका पहला पोस्टर शनिवार, 27 सितंबर को जारी किया गया। इस क्राइम-थ्रिलर मूवी का पोस्टर शेयर करते हुए जी5 ने सोशल मीडिया पर लिखा, और हमें लगा था कि 2025 के सारे ट्विस्ट खत्म हो गए हैं, लेकिन सबसे बड़ा ट्विस्ट आ गया है, भागवत आपके होश उड़ा देने आ रही है।

सच्ची घटना से प्रेरित है फिल्म भागवत

फिल्म भागवत सस्पेंस और जबरदस्त ड्रामा से भरपूर होगी। इसमें इंस्पेक्टर विश्वास भागवत (अरशद वारसी) की कहानी है, जो एक गुमशुदा महिला की तलाश के केस की जांच करता है। लेकिन यह जांच जल्द ही धोखे, रहस्यों और संभावित तस्करी के एक अंधेरे और पेचीदा जाल में उलझ जाती है। इस सीरीज में जितेंद्र कुमार एक प्रोफेसर के रोल में दिखाई देंगे। बताया जा रहा है कि इस फिल्म की कहानी एक सच्ची घटना से प्रेरित है। जी5 की हिंदी बिजनेस हेड कावेरी दास ने इसके बारे में बात करते हुए कहा, भागवत एक रोमांचक थ्रिलर है, जो भावनात्मक गहराई और सस्पेंस का शानदार मिश्रण पेश करता है। अरशद वारसी ने अपने किरदार को बहुत बारीकी और गहराई से निभाया है। वहीं, जितेंद्र कुमार एक आकर्षक और अनूठे अंदाज में दर्शकों को चकित करते हैं। सबके साथ आने से यह सिनेमाई भव्यता, साहसिक कहानी और प्रभावशाली अभिनय का संगम बन गया है। अपनी अनोखी शैली और रचनात्मक दृष्टिकोण के साथ, भागवत इस साल की सबसे मनोरंजक और प्रभावी फिल्मों में से एक है।

ओटीटी पर आएगी फिल्म भागवत

इस फिल्म को अक्षय शेरे डायरेक्ट कर रहे हैं। इसका निर्माण जियो स्टूडियोज, बावेजा स्टूडियोज और डॉग एन बोन पिक्चर्स ने मिलकर किया है। यह फिल्म जल्द ही ज़ी5 पर रिलीज की जाएगी। इसकी रिलीज डेट अभी तय नहीं हुई है।

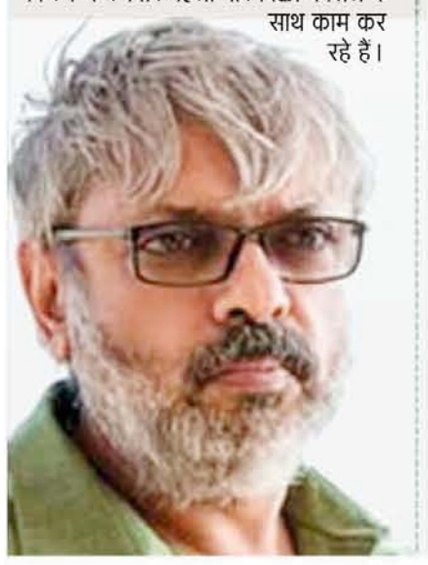

नवरात्रि खुद को खोजने का पर्व, देवी हमारी हर सांस में हैं

बॉलीवुड अभिनेत्री तमन्ना भाटिया ने नवरात्रि को खुद को खोजने का पर्व बताया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर माता की चौकी का एक वीडियो शेयर किया है। इसे शेयर करते हुए उन्होंने बताया है कि नवरात्रि का पर्व उनके लिए क्या मायने रखता है।
तमन्ना भाटिया ने अपनी इस पोस्ट में लिखा, नवरात्रि केवल भक्ति की नौ रातें नहीं हैं, बल्कि यह खुद में लौटने, खुद को खोजने के नौ मौके भी हैं। हर शाम हमें याद दिलाती है कि देवी केवल मंदिरों या त्योहारों में ही नहीं, बल्कि हमारी हर सांस में हैं। उन्होंने आगे लिखा, दुर्गा हमें उन लड़ाइयों का सामना करने की हिम्मत देती हैं, जिनसे हम कतराते रहे हैं। लक्ष्मी हमें प्रचुरता को अपनाना सिखाती हैं-न सिर्फ धन की, बल्कि प्रेम, करुणा और अवसरों की भी। सरस्वती हमें सत्य बोलने और अनिश्चितता में बुद्धिमानी से निर्णय लेने की स्पष्टता देती हैं। काली उन भय, आदतों और पुरानी कथाओं को भस्म कर देती हैं, जो हमें सीमित रखती हैं। 'स्त्री-2' अभिनेत्री ने आगे लिखा, जब हम मां के प्रति समर्पित हो जाते हैं, तो हम जीवन से चमत्कार मिलने का इंतजार करना बंद कर देते हैं और उन्हें अपने कर्मों में ढूंढने लगते हैं। बात यह नहीं है कि हम कितने अनुष्ठान करते हैं, बात यह है कि उन नौ रातों को चुपचाप हमारे खुद को देखने के तरीके को फिर से लिखने दें। इस नवरात्रि हर दीया न केवल उस देवी के लिए जलाएं जिसकी आप पूजा करते हैं, बल्कि उस देवी के लिए भी जो आप पहले से ही हैं। समर्पण करते रहें।
वर्क फ्रंट की बात करें तो तमन्ना भाटिया हाल ही में डायना पेंटी के साथ वेब सीरीज डू यू वाना पार्टनर में नजर आई थीं। इस सीरीज में जावेद जाफरी, नकुल मेहता, श्वेता तिवारी, नीरज काबी, सूफी मोतीवाला और रणविजय सिंह जैसे सितारे भी दिखाई दिए।

भागवत के प्रोड्यूसर हैं हरमन बावेजा

निर्माता हरमन बावेजा ने कहा, बावेजा स्टूडियोज में हमारा प्रयास हमेशा से ऐसी कहानियों पर आधारित रहा है जो साहसिक, प्रासंगिक और भावनात्मक रूप से ध्यान खींचती हों। भागवत इस कमिटमेंट का एक आदर्श उदाहरण है। यह सिर्फ एक थ्रिलर नहीं है- यह मानव स्वभाव के अंधकारमय हिस्से की एक यात्रा है, जहां प्रेम, छल और न्याय का टकराव होता है।

अक्षय कुमार का आमिर खान पर तंज!

ओटीटी के आने से फिल्मों की कमाई पर असर बड़ा है, पिछले काफी वक्त से यह एक बहस का मुद्दा बना हुआ है। अभिनेता आमिर खान का ऐसा मानना है कि थिएटर रिलीज के छह महीने बाद फिल्मों को ओटीटी पर आना चाहिए। उनका मानना है कि आजकल जो 2 महीने या आठ हफ्ते के बाद ही फिल्मों के ओटीटी पर आने से कमाई पर असर पड़ता है। अब अभिनेता अक्षय कुमार ने आमिर के इस बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए आमिर की बात से असहमति जताई है। साथ ही अक्षय ने आमिर के बयान पर तंज भी कसा है।

तीन महीने का अंतराल ठीक है

एबीपी लाइव के साथ बातचीत के दौरान अक्षय ने इस मुद्दे पर बात की। उन्होंने कहा कि मेरे हिसाब से तीन महीने का फासला ठीक है। छह महीने बहुत लंबा समय है क्योंकि आखिरकार, ओटीटी प्लेटफ़ॉर्म आपको डिजिटल अधिकारों के लिए भुगतान कर रहा है। उन्हें भी इस सौदे से लाभ मिलना चाहिए। इस पूरी व्यवस्था को महामारी से पहले की स्थिति में वापस जाना चाहिए, जब सिनेमाघर और ओटीटी प्लेटफॉर्म दोनों एक साथ मौजूद थे और अच्छे से साथ-साथ चलते थे।

डिजिटल राइट्स के समय निर्माता ओटीटी प्लेफॉर्म से पैसा ले लेते हैं

इस दौरान अक्षय ने दावा किया कि निर्माताओं, जिनमें वो भी शामिल हैं, को ओटीटी प्लेटफॉर्म के साथ निष्पक्ष व्यवहार करना चाहिए। साथ ही अपनी फिल्मों के कंटेंट को लेकर भी सचेत रहना चाहिए। इसी दौरान आमिर के बयान पर इशारों-इशारों में ताना मारते हुए अक्षय ने कहा, 'जब डिजिटल राइट्स की बिक्री की बात आती है, तो निर्माता खुशी-खुशी ओटीटी प्लेटफॉर्म से पैसा ले लेते हैं। लेकिन जब हम चाहते हैं, तो हम आसानी से कह देते हैं कि हमारी फिल्में ओटीटी की वजह से नहीं चल रही हैं। हम यह नहीं सोचते कि शायद हम सही फिल्में नहीं बना रहे हैं।' हालांकि, अक्षय ने यहां आमिर या किसी का भी नाम नहीं लिया। लेकिन यह बयान आमिर के बयान पर प्रतिक्रिया जरूर मालूम पड़ता है।

मुझे फिल्में बनाने के अलावा कुछ नहीं आता

अक्षय ने यह भी स्वीकार किया कि वह अपनी फिल्मों के लिए प्रतिभाओं की तलाश में भी काफी ओटीटी कंटेंट देखते हैं। उनका मानना है कि ओटीटी के आने फिल्म इंडस्ट्री में सभी को फायदा हुआ है। अक्षय ने कहा कि मेरे पास फिल्में बनाने के अलावा कोई और काम नहीं है। चूंकि मैं पढ़ा-लिखा नहीं हूं, इसलिए मैं सिर्फ फिल्में ही बनाता हूं। इसलिए मुझे ओटीटी देखने के लिए काफी समय मिलता है।

ओटीटी पर जल्द फिल्मों के लाने के खिलाफ हैं आमिर

आमिर खान अक्सर ओटीटी को फिल्मों के बॉक्स ऑफिस पर न चलने की एक वजह मानते हैं। कुछ दिनों पहले उन्होंने कहा था कि जब लोगों को फिल्मों के रिलीज के कुछ ही वक्त बाद घर बैठे फिल्म देखने को मिल जाएगी, तो वो क्यों सिनेमाघरों में जाएंगे।
हालांकि, आमिर का ये भी कहना है कि ओटीटी प्लेटफॉर्म्स के खिलाफ नहीं हैं। हाल ही में आमिर ने अपनी फिल्म 'सितारे जमीन पर' को भी थिएटर्स के बाद किसी ओटीटी पर नहीं रिलीज किया। बल्कि उन्होंने यूट्यूब पर फिल्म को पे-पर-व्यू मॉडल के तहत लाया।

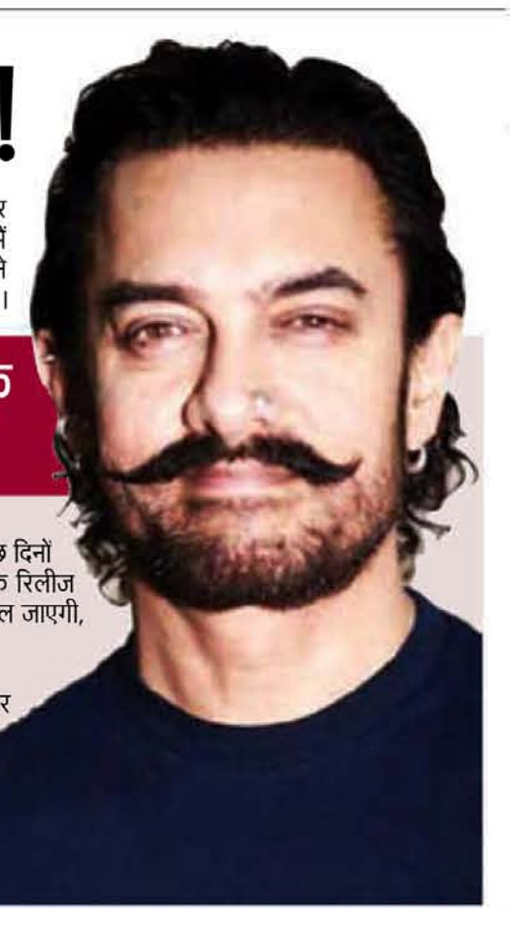

संघ के 100 वर्ष का अभिनंदन

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ RSS के स्थापना दिवस

स्व श्री तेजपाल सिंह भाटी
पूर्व जिलाध्यक्ष गाजियाबाद, पूर्व प्रान्तीय सदस्य
उत्तर प्रदेश एवं पूर्व राष्ट्रीय परिषद सदस्य भाजपा

पर सभी स्वयंसेवकों को
हार्दिक शुभकामनाएं।

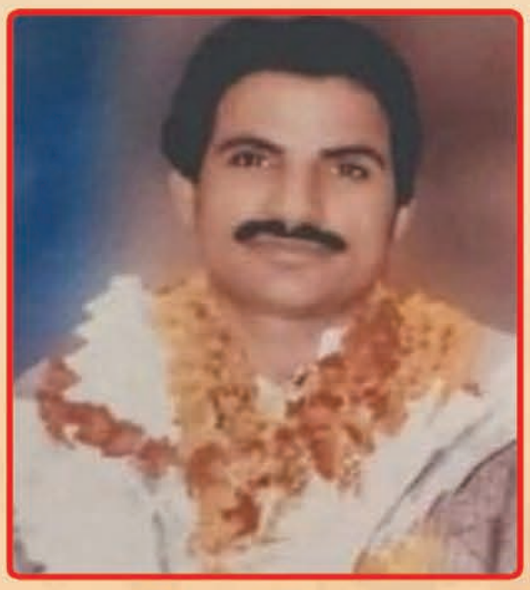

स्व श्री प्रवीण भाटी
पूर्व जिलाध्यक्ष गाजियाबाद, पूर्व जिला संगठन मंत्री गाजियाबाद,
पूर्व जिला महामंत्री गाजियाबाद एवं
1991 दादरी विधानसभा प्रत्याशी भाजपा

प्रणीत भाटी

प्रथम जिला अध्यक्ष भाजपा गौतमबुद्ध नगर, पूर्व प्रदेश महामंत्री किसान मोर्चा
उत्तर प्रदेश व 2024 लोकसभा चुनाव संयोजक (गौतम बुद्ध नगर)